Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011
संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पताः- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 06, अंक 311 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, बुधवार 01 जनवरी 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

मंडी में पहाड़ से टैक्सी पर गिरा बड़ पत्थर, मुंबई की महिला की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मंडी में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां एक परिवार को ले जा रही टैक्सी पर पहाड़ से बड़ा पत्थर गिरा, जिससे महिला पर्यटक की मौत हो गई।घटना चंडीगढ़-मनाली राजमार्ग पर मंडी के 4 माइल के पास घटी। टैक्सी में मुंबई का परिवार सवार था, जो छुट्टी मनाने हिमाचल आया था।मंडी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सागर चंद ने बताया मृतक महिला का नाम प्रिया है, जबकि पति और टैक्सी चालक घायल हैं। बताया जा रहा है कि परिवार छुट्टी मनाने मनाली आया था और रविवार को वापस मुंबई लौट रहा था, तभी 4 माइल के पास पहाड़ से गिरे पत्थर से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।पुलिस का कहना है कि घटनास्थल के पास निर्माण कार्य चल रहा था, जिससे पत्थर सड़क पर गिरा। हादसे के बाद की तस्वीरों में कार पत्थर से कुचली नजर आ रही है।इससे पहले भी मंडी के जंजैहली इलाके में वाहनों पर पत्थर गिए थे।

घने कोहरे की ओट में छिपे कई शहर

नईदिल्ली। पूरा उत्तर भारत इन दिनों भीषण ठंड की चपेट में है। सर्द हवाएं कंपकंपी छुड़ा रही है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। आने वाले दिनों में तापमान में 3-5 डिग्री की गिरावट होने की संभावना है।भारतीय मौसम विभाग (इ्रूडी) ने आज कई राज्यों में बादल छाए रहने के साथ घना कोहरा छाने की संभावना जताई है।दूसरी तरफ जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश सहित अन्य पहाड़ी राज्यों में बारिश और बर्फबारी की चेतावनी जारी की है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में रविवार को बर्फबारी और बारिश से थोड़ी राहत मिली। कश्मीर घाटी में अभी भी तापमान शून्य से नीचे बना हुआ है।मौसम ठीक होने के बाद जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के अलावा नवयुग सुरंग पर यातायात बहाल कर दिया गया। साथ ही श्रीनगर में विमान और रेल सेवा शुरू हो गई।उत्तराखंड में सड़कों पर बर्फ की मोटी चादर बिछी होने से 8 मार्ग अवरुद्ध हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश में 3 राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर आज से 3 दिवसीय यात्रा पर कतर जाएंगे

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर सोमवार से कतर की तीन दिवसीय यात्रा पर जाएंगे. जहां वह समग्र द्विपक्षीय संबंधों, विशेषकर व्यापार, निवेश, ऊर्जा और सुरक्षा के क्षेत्रों की समीक्षा करेंगे. इससे पहले सितंबर में उन्होंने कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी से मुलाकात की थी. विदेश मंत्रालय ने रविवार को बताया कि जयशंकर कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल थानी से मुलाकात करेंगे. इसमें कहा गया, विदेश मंत्री एस. जयशंकर 30 दिसंबर से एक जनवरी तक कतर की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे. विदेश मंत्रालय ने कहा कि जयशंकर की यात्रा से दोनों पक्षों को राजनीतिक, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, सुरक्षा,

अब महासमुंद जिले में महतारी वंदन योजना में फर्जीवाड़ा

सचिव शिक्षिका पत्नी के नाम पर ले रहा था लाभ-निलंबित

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में अब एक के बाद एक महतारी वंदन योजना में फर्जीवाड़ा कर लाभ लेने का खुलासा हो रहा है। हाल ही में सनी लियोन के नाम से लाभ लेने के बाद अब महासमुंद में सचिव के कारनामे का खुलासा हुआ है। दरअसल सचिव अपनी टीचर पत्नी को योजना का लाभ दिला रहा था। खुलासे के बाद कार्रवाई हुई है। महासमुंद कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देश पर महतारी वंदन योजना का अनुचित लाभ ले रही शिक्षिका नीलम गोस्वामी पर एफआईआर दर्ज किया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने कल रात उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत घोड़ारी के सचिव रमाकांत गोस्वामी द्वारा अपनी पत्नी श्रीमती नीलम गोस्वामी जो की शिक्षक है के नाम पर महतारी वंदन योजना का फार्म गलत जानकारी देकर भरा गया एवं अनैतिक तरीके से उनकी पत्नि जो कि ग्राम केशवा में पदस्थ है के खाते में राशि प्राप्त किया गया है। किसी भी शासकीय सेवक को गलत जानकारी देकर अनुचित लाभ प्राप्त करना शासकीय नियमों के विपरीत है। कलेक्टर लंगेह ने इसे गंभीरता से लेते हुए कहा कि शासन की यह महत्वपूर्ण योजना है, पात्र हितग्राहियों के अलावा जो भी इसका अनुचित तरीके से लाभ लेने का प्रयास करेंगे उन पर सख्त कारवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जो पात्र

हितग्राही है उसे ही लाभ मिलना सुनिश्चित हो, जो भी अनुचित तरीके से लाभ ले रहे है उन पर सख्त कारवाई की जाएगी। ज्ञात है कि कल जिला पंचायत सी ई ओ द्वारा ग्राम पंचायत के सचिव रमाकांत गोस्वामी के उक्त कृत्य के कारण निलंबित किया गया है। महासमुंद मुख्यालय से दस किलोमीटर की दूरी पर बसा है ग्राम पंचायत घोड़ारी. घोड़ारी में 400 महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ मिलता है. उन्हीं में से एक है नीलम गोस्वामी.जिन्हे पिछले दस महीने से महतारी वंदन योजना के तहत एक हजार रुपये मिल रहा है. नीलम गोस्वामी शासकीय प्राथमिक शाला केशवा में प्रधान पाठक के पद पर हैं.जिसकी शिकायत महिला बाल विकास विभाग में की गई थी.लेकिन सत्यता सामने आने के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई. इसके बाद पूरा मामला सोशल मीडिया में सामने आ गया.जिसके बाद महिला एवं बाल विकास विभाग ने कार्रवाई की. आनन फानन मे सचिव रमाकांत गोस्वामी को जिला पंचायत सीईओ ने निलंबित कर दिया. वहीं महिला बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक मोनिका गुप्ता ने कोतवाली थाना में जाकर शिक्षिका नीलम गोस्वामी के खिलाफ मामला दर्ज कराया.जिसके बाद शिक्षा विभाग ने शिक्षिका को निलंबित कर दिया.

कांग्रेस ने बीजेपी पर लगाए आरोप

महिला बाल विकास विभाग के जांच में तथ्य सामने आया कि सचिव ने गलत जानकारी देकर अपनी शिक्षिका पत्नी का फार्म जमा किया.पिछले दस माह से महतारी वंदन योजना का लाभ ले रहा था. पूरे मामले मे आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुनीता जोगी ने सचिव पर आरोप लगाया कि उसने गलत जानकारी देकर फॉर्म जमा करवाया.वहीं कांग्रेस की जिला अध्यक्ष डॉ रश्मि चंद्राकर ने इसे लेकर बीजेपी पर आरोप लगाया है. गौरतलब है कि प्रदेश में महतारी वंदन योजना के तहत फर्जीवाड़े का ये दूसरा मामला सामने आया है. महासमुंद जिले में कुल 3 लाख 23 हजार 363 आवेदन प्राप्त हुए थे. जिनकी जांच कर पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिया जा रहा है. यदि सूक्ष्मता से जांच की जाए तो और भी मामले सामने आ सकते हैं.

अंतरिक्ष में भारत की धाक

स्पैडेक्स के प्रक्षेपण पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने जताई खुशी

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने दो अंतरिक्ष यान सफलतापूर्वक लॉन्च किए हैं जो भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के लिए डॉकिंग नामक एक महत्वपूर्ण तकनीक का प्रदर्शन करने में मदद करेंगे। इसरो के दो अंतरिक्ष यान सोमवार की देर रात सफलतापूर्वक एक दूसरे से अलग हो गए और उन्हें वांछित कक्षा में स्थापित कर दिया गया। अंतरिक्ष एजेंसी ने इसकी जानकारी दी। स्पैडेक्स मिशन के सफल प्रक्षेपण पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि भारत स्वदेशी रूप से विकसित भारतीय डॉकिंग सिस्टम के माध्यम से अंतरिक्ष डॉकिंग हासिल करने वाले

चुनिंदा देशों की सूची में शामिल होने वाला चौथा देश बन गया है। इसरो के प्रमुख एस सोमनाथ ने कहा कि रॉकेट ने 15 मिनट की उड़ान के बाद उपग्रहों को 475 किलोमीटर की वृत्ताकार कक्षा में स्थापित कर दिया है। उन्होंने मिशन नियंत्रण केंद्र से अपने संबोधन में कहा कि रॉकेट ने दोनों अंतरिक्ष यान को सही कक्ष में स्थापित कर दिया है

पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी के संकेत

उत्तरभारत में अगले दो दिन पड़ेगी कड़ाके की ठंड,राजस्थान और यूपी के लिए भी अलर्ट.....

नई दिल्ली। एजेंसी

नए साल पर उत्तर भारत में लोगों को कड़ाके सर्दी का भी सामना करना पड़ेगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग यानी आईएमडी के अनुसार आने वाले दो से तीन दिनों में हिमालय क्षेत्र में हल्की से मध्यम बर्फबारी हो सकती है, जिस कारण मैदानी इलाकों में तापमान में कमी देखने को मिल सकती है। इस वजह से ठिठुरन बढ़ने के संकेत हैं। आईएमडी के अनुसार उत्तरी पाकिस्तान पर एक पश्चिमी विक्षोभ है। यह अगले दो से तीन दिनों में पश्चिमी हिमालय को प्रभावित करने और हल्की से मध्यम बर्फबारी का कारण बनने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी चार जनवरी से एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ पंजाब, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर और जम्मू-कश्मीर सहित उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों को प्रभावित कर सकता है। जिस कारण लोगों को ठिठुरन का सामना करना पड़ सकता है। मौसम वैज्ञानिक नरेश कुमार ने कहा कि हमें 4 जनवरी से एक

सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ की उम्मीद है, जिससे पहाड़ी राज्यों में बारिश के साथ भारी बर्फबारी और हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हल्की से मध्यम बर्फबारी होने की संभावना है। इसके बाद मैदानी इलाकों में तापमान में बदलाव देखने को मिल सकता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि आज और कल पंजाब और हरियाणा में ठंडे दिन की स्थिति की उम्मीद है। हालांकि, कोई गंभीर शीत लहर की स्थिति की उम्मीद नहीं है। वहीं, दिल्ली-एनसीआर और उत्तर-पश्चिम भारत के अन्य इलाकों में चार जनवरी को बारिश की संभावना है। जिससे तापमान में और कमी दखने को मिल सकती है। इसके साथ ही 4 जनवरी से पंजाब, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर सहित मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने की उम्मीद है। मौसम विभाग के हाल के अपडेट के अनुसार आने वाले एक से दो दिनों तक हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

मणिपुर हिंसा को लेकर सीएम ने मांगी माफी

पूरा साल बेहद खराब रहा लोग मुझे क्षमा करें-सीएम बीरेन......

इंफाल/ एजेंसी

मणिपुर हिंसा को लेकर सीएम एन बीरेन सिंह ने जनता से माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि यह पूरा साल बेहद खराब रहा। मैं राज्य के लोगों से पिछले साल तीन मई से लेकर आज तक जो कुछ भी हुआ है, उसके लिए माफी मांगता हूं। कई लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया। कई लोगों ने अपना घर छोड़ दिया। मुझे इसका दुख है। पिछले तीन-चार महीनों में शांति की स्थिति देखकर मुझे उम्मीद है कि 2025 में राज्य में सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी। मणिपुर में बीते साल मई

से जातीय हिंसा चल रही है, जिसमें अब तक 200 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। नवंबर में मणिपुर के जिरीबाम में तीन महिलाओं और उनके तीन बच्चों की हत्या के बाद भी बवाल हुआ। राज्य में लगातार हो रही हिंसा के चलते एन बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार भारी दबाव में है और बीरेन सिंह को पद से हटाने की मांग जोर पकड़ रही है। एनडीए की सहयोगी एनपीपी ने भी मणिपुर सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया है और नेतृत्व परिवर्तन करने की मांग की है। अब साल की समाप्ति पर मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने जनता से माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि यह पूरा साल खराब रहा। नए साल 2025 में शांति की उम्मीद है। मणिपुर में मैतेई समुदाय और कुकी समुदाय के बीच हिंसा पिछले साल तीन मई को उस समय शुरू हुई थी।

दिल्ली में पांच साल में मतदाता सूची से 61 हजार नाम कटे

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को एक प्रेस कांफ्रेंस कर भारतीय जनता पार्टी पर नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में 12 फीसदी से ज्यादा वोट इधर-उधर करने का आरोप लगाया था। इस पर भाजपा नेता प्रवेश वर्मा ने सोमवार को पलटवार किया है। प्रवेश वर्मा ने कहा, (दिल्ली विधानसभा) चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल की बौखलाहट साफ देखी जा सकती है। उन्हें हार का डर सता रहा है, जिसके कारण वह झूठ बोलने लगे हैं और गलत तथ्यों को सामने ला रहे हैं। साल 2020 में नई दिल्ली विधानसभा में कुल एक लाख 46 हजार वोटर थे। लेकिन अब यह संख्या घटकर केवल एक लाख छह हजार रह गई है।

अरविंद केजरीवाल ने हनुमान मंदिर से किया शुभारंभ

आतिशी ने गुरुद्वारा में ग्रंथियों का किया रजिस्ट्रेशन शुरू.....

नई दिल्ली/एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने मंगलवार को 'पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना' योजना के तहत ग्रंथियों का पंजीकरण करने के लिए करोल बाग इलाके में संत सुजान सिंह महाराज गुरुद्वारा का दौरा किया। उन्होंने गुरुद्वारे के ग्रंथियों को अपनी पार्टी द्वारा घोषित योजना के लिए पंजीकृत करवाया, जिसके तहत पुजारियों और ग्रंथियों को मासिक मानदेय दिया जाएगा। उनकी यात्रा उनकी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल द्वारा दिल्ली के एक मंदिर में योजना शुरू करने के कुछ घंटों बाद हो

रही है। दिल्ली की सीएम आतिशी ने कहा मुझे खुशी है कि अरविंद केजरीवाल द्वारा शुरू की गई 'पुजारी ग्रंथी सम्मान' योजना के लिए पंजीकरण आज से शुरू हो गया है। ग्रंथी (गुरुद्वारा पुजारी) ने कहा कि महाराजा रणजीत सिंह की सरकार के बाद संभवत: यह पहली सरकार है जो ग्रंथियों के लिए चिंतित है... दिल्ली में जब अरविंद केजरीवाल सरकार बनेगी तो हर मंदिर और गुरुद्वारा के पुजारी को इस योजना के तहत 18,000 रुपये मिलेंगे। इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट करते हुए कहा कि आज मरघट वाले बाबा के मंदिर में दर्शन किए और पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना का शुभारंभ किया। यहाँ के महंत जी का आज जन्मदिन है। उनके साथ जन्मदिन भी मनाया। बीजेपी ने आज रजिस्ट्रेशन रोकने की पूरी कोशिश की। लेकिन भक्त को अपने भगवान से मिलने से कोई नहीं रोक सकता।

नायडू देश के सबसे अमीर सीएम, ममता की संपत्ति सबसे कम

931 करोड़ की कुल संपत्ति के साथ भारत नायडू पहले स्थान पर

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत के 31 मुख्यमंत्रियों के बीच वित्तीय विभाजन चौंकाने वाला है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की नवीनतम रिपोर्ट में सामने आया है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को 931 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ सबसे अमीर नामित किया गया है, जबकि पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी स्पेक्ट्रम के दूसरे छोर पर हैं, जिनकी संपत्ति का मूल्य मात्र 15 लाख रुपये है। सभी मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति संयुक्त रूप से 1,630 करोड़ रुपये है, जिसमें प्रति नेता औसतन 52.59 करोड़ रुपये है। एडीआर के निष्कर्ष सोमवार को जारी किए गए, जो भारत के राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के नेताओं की वित्तीय स्थिति पर प्रकाश डालते हैं। जहां नायडू इस सूची में सबसे आगे हैं, वहीं अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू 332 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ दूसरे सबसे अमीर हैं। कर्नाटक के सिद्धारमैया 51 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ शीर्ष तीन में हैं। संपत्ति के अलावा, रिपोर्ट में मुख्यमंत्रियों की देनदारियों का भी जिक्र किया गया है। पेमा खांडू पर सबसे ज्यादा 180 करोड़ रुपये की देनदारी है। सिद्धारमैया की देनदारी 23 करोड़ रुपये बताई गई है, जबकि नायडू की देनदारी 10 करोड़ रुपये से अधिक है। इससे पता चलता है कि कुछ सबसे धनी नेताओं पर भी काफी कर्ज है, जिससे उनकी समग्र वित्तीय स्थिति प्रभावित हो रही है। दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी

सबसे गरीब हैं, उनकी संपत्ति का मूल्य सिर्फ15 लाख रुपये है। जम्मू-कश्मीर के उमर अब्दुल्ला दूसरे सबसे गरीब सीएम हैं, उनकी संपत्ति का मूल्य केवल 55 लाख रुपये है। केरल के पिनाराई विजयन सबसे गरीबों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं, उनकी संपत्ति सिर्फ1.18 करोड़ रुपये है। संपत्ति में यह स्पष्ट अंतर भारतीय राज्य नेताओं की अलग-अलग आर्थिक प्रोफाइल को उजागर करता है। यह रिपोर्ट भारत के मुख्यमंत्रियों की आपराधिक पृष्ठभूमि पर भी प्रकाश डालती है। इससे पता चलता है कि 31 में से 13 मुख्यमंत्रियों (42 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसके अलावा, 10 मुख्यमंत्रियों (32 प्रतिशत) के रिकॉर्ड में गंभीर आपराधिक मामले हैं, जिनमें हत्या का प्रयास, अपहरण, रिश्वतखोरी और आपराधिक धमकी जैसे आरोप शामिल हैं। 31 मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति कुल मिलाकर 1,630 करोड़ रुपये है, जो इन राजनीतिक नेताओं द्वारा नियंत्रित अपार संपत्ति को रेखांकित करती है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के खिलाफ सबसे ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट से पता चलता है कि राज्य विधानसभाओं और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों की औसत संपत्ति मूल्य 52.59 करोड़ रुपये है।

आंध्र प्रदेश में अमीर सीएम नई बात नहीं

आंध्र प्रदेश में अमीर सीएम होना कोई नई बात नहीं है क्योंकि पूर्व सीएम वाईएस जगन मोहन रेड्डी को 2019 और 2024 के बीच अपने कार्यकाल के दौरान 510 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ सबसे अमीर सीएम के रूप में सामने आए था। जगन से पहले, नायडू ने 2014 और 2019 के बीच सबसे अमीर सीएम के रूप में 177 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की थी। जबकि पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी स्पेक्ट्रम के दूसरे छोर पर हैं, जिनकी संपत्ति का मूल्य मात्र 15 लाख रुपये है

संक्षिप्त समाचार

सतीश सोनपिपरे ने वार्ड क्रमांक 27 से अपनी दावेदारी ठोकी

राजनांदगांव। आगामी नगर निगम चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियों गलियारों में सरगर्मी जैसे जैसे तेज हो रही है। पार्षद चुनाव की दौड़ में शामिल होने जा रहे, उम्मीदवारों के नाम भी अब एक-एक कर सामने आने लगे हैं। वार्ड क्रमांक 27 तिलक वार्ड से ऐसे ही एक बहुचर्चित और युवा चेहरे सतीश सोनपिपरे का नाम इन दिनों तेजी से उछलकर सामने आ रहा है। वे अपने वार्ड से पार्षद टिकट के प्रबल दावेदार भी माने जा रहे हैं, उनके राजनीतिक पृष्ठभूमि की अगर चर्चा करें तो उन्होंने अनेकों जिम्मेदार पदों पर कार्य कर अपनी सक्रियता से सबको प्रभावित किया है, केवल राजनीतिक ही नहीं अपितु सामाजिक सरोकार की भूमिका भी ये बढ़-चढ़कर निभाते रहें हैं। वर्तमान में वे दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के महामंत्री हैं। छात्र राजनीति में भी ये काफी सक्रिय रहे और एनएसयूआईए युकां में भी ये सामान्य कार्यकर्ता के रूप में सक्रिय रहे हैं। आंबेडकर सेवा समिति भरकापारा के सचिव भी हैं, इनकी मिलनसारिता की वजह से अपने समाज सहित सभी वर्गों में इनकी अच्छी पैठ है। इन सबके मद्देनजर इनकी टिकट पक्की भी मानी जा रही है। निश्चित ही कांग्रेस पार्टी इनके लंबे समय की सक्रियता और निष्ठा को देखते हुए इन पर दाव लगा सकती है।

ग्राम बिजराकछार में अवैध रूप से भंडारित 32 क्विंटल धान जब्त

मुंगेली (समय दर्शन) कलेक्टर राहुल देव के निर्देशानुसार राजस्व एवं मंडी दल द्वारा लोरमी विकासखण्ड के ग्राम बिजराकछार में सेठदास मानिकपुरी के घर में अवैध रूप से भंडारित लगभग 32 क्विंटल धान जब्त किया गया है। लोरमी एसडीएम अजीत पुजारी ने बताया कि जांच के दौरान सेठदास मानिकपुरी द्वारा किसी भी प्रकार का दस्तावेज पेश नहीं किए जाने के कारण संपूर्ण धान की जब्ती की कार्यवाही की गई। इस दौरान नायब तहसीलदार सी. पी. सोनी एवं शांतनु तारम, मंडी उप निरीक्षक भूपेंद्र गुप्ता मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना: 02 जनवरी को शिविर का होगा आयोजन

मुंगेली (समय दर्शन) कलेक्टर राहुल देव ने जिले में आमलोगों को प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी प्रदान करने तथा लाभ दिलाने के निर्देश दिए हैं। विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि कलेक्टर के निर्देश के परिपालन में जिले में 02 जनवरी को सुबह 11 बजे से शाम 03 बजे तक कार्यालय विद्युत विभाग मुंगेली, ग्राम पंचायत भवन धरमपुरा, विद्युत कार्यालय फास्टरपुर, बाजार चौक सिलदहा, मंगल भवन पथरिया, बजरंग चौक सरगांव, बिजली ऑफिस बरेला, विद्युत सब स्टेशन पांडे खम्हरिया, विद्युत सब स्टेशन कोतरी, मानस मंच लोरमी, राजा बड़ा बोड़तरा कला और ग्राम पंचायत भवन कोयलारी में शिविर का आयोजन किया जाएगा।

अब तक 33 लाख 64 हजार क्विंटल से अधिक धान की खरीदी

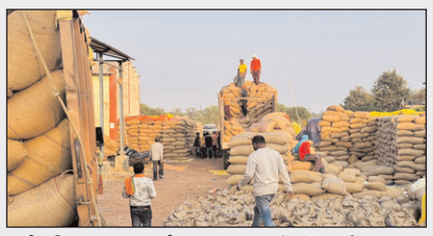

मुंगेली (समय दर्शन) मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में जिले के 66 समितियों के 105 उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी एवं उठाव कार्य सुचारू रूप से लगातार जारी है। कलेक्टर राहुल देव के मार्गदर्शन में जिले के 76 हजार 232 किसानों से 33 लाख 64 हजार क्विंटल से अधिक धान की खरीदी की जा चुकी है, इनमें 18 लाख 13 हजार 816 क्विंटल मोटा, 7441 क्विंटल पतला और 15 लाख 43 हजार 101 क्विंटल सरना धान शामिल है। वहीं 13 लाख 75 हजार 405 क्विंटल धान का उठाव किया जा चुका है, जो लगातार जारी है। कलेक्टर ने समितियों में सुचारू रूप से धान खरीदी एवं शीघ्र उठाव करने, मौसम खराब होने की स्थिति में धान का सुरक्षित रखरखाव करने और अवैध धान खपाने वाले कोचियों-बिचौलियों पर भी कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं।

गोबरसिंहा में चल रहे क्रिकेट प्रतियोगिता का आज हुआ समापन

रोमांचक फायनल मैच में अंततः विजेता पेण्डरुवां की टीम रही

मुख्य अतिथि के आसंदी से राधामोहन पाणिग्राही ने सफल आयोजन के लिए सभी खिलाड़ियों, दर्शकों एवं आयोजन समिति का दिल से धन्यवाद ज्ञापित किया

बरमकेला (समय दर्शन) आज ड्यूस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन भांटाबारी मैदान गोबरसिंहा में संपन्न हुआ। जो युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण खेल आयोजन था। इस मुकाबले में पेंडरूवां क्रिकेट टीम ने गोबरसिंहा को हराकर शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। मैच में दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल दिखाया, लेकिन पेंडरूवां की टीम ने अपने खेल कौशल और रणनीति से जीत हासिल की। यह मैच खिलाड़ियों के सामूहिक प्रयास, कड़ी मेहनत और टीमवर्क का उदाहरण था। इस आयोजन ने न केवल खेल प्रेमियों को उत्साहित किया, बल्कि युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बना। सफल आयोजन के लिए सभी खिलाड़ियों,दर्शकों,आयोजन समिति, सभी सहयोगियों और अतिथियों को दिल से धन्यवाद। खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया, दर्शकों ने उत्साहपूर्ण समर्थन किया और आयोजन समिति ने इस आयोजन को सुचारू रूप से आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रकार के आयोजनों से न केवल खेल को बढ़ावा मिलता है, बल्कि सामूहिक सहयोग और एकता का भी प्रतीक बनते हैं। सभी की मेहनत और योगदान के लिए हम आभारी हैं। उक्त क्रिकेट प्रतियोगिता के प्रथम पुरस्कार यशवंत नायक जी ने 31,000 एवं कप,द्वितीय पुरस्कार डॉ दिनेश पटेल जी ने 16,000 एवं कप,तृतीय पुरस्कार लक्ष्मीप्रसाद पटेल 10,000 एवं कप,चतुर्थ पुरस्कार ठंडाराम खुंटे 5000 एवं कप आयोजन समिति को प्रदान किया गया था।

मौके पर जिला पंचायत सदस्य अजय नायक महामंत्री द्वय राधामोहन पाणिग्राही एवं चुड़ामणि पटेल, जिला कार्यकारिणी सदस्य शुकदेव दुआन, मण्डल मंत्री मुरलीधर पटेल, डाक्टर दिनेश पटेल,मारोदरहा सरपंच लक्ष्मी प्रसाद पटेल,आकाश बैरागी, अभिषेक पटेल,पप्पू पटेल, श्रीकांत खुंटे,आकाश पटेल, राहुल पटेल, सुभाष निराला, टीकाराम सहिस,दिनेश पटेल, उत्तम पटेल,हरि पटेल, ठण्डाराम खुंटे सहित युवा क्रिकेट समिति के सभी पदाधिकारी व सदस्य गण उपस्थित थे।

सफलता की कहानी : वार्ड चलो अभियान: गली में लंबे समय से पड़े कचरा की सफाई कर बनाया गया स्वच्छ

मुंगेली (समय दर्शन) मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उप मुख्यमंत्री अरूण साव के मंशानुरूप और कलेक्टर राहुल देव के निर्देशानुसार जिले के नगरीय निकायों में शासन की योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत की जांच करने और वार्डवासियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं का समाधान करने के उद्देश्य से चलाए गए वार्ड चलो अभियान का सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा है। मुंगेली नगर पालिका में अभियान के दौरान सरदार पटेल वार्ड के आयुष सोनी ने स्कूल के समीप गली में लंबे समय से कचरा पड़े रहने के कारण होने वाली परेशानियों से अवगत कराया। कलेक्टर ने इसे तत्काल संज्ञान में लिया और नगरपालिका सीएमओ को तत्काल साफ-सफाई कराने और दीवाल पर वाल लेखन के निर्देश दिए।

मुख्य नगर पालिका आशीष तिवारी ने बताया कि कलेक्टर के निर्देश पर गली से कचरा को साफ कराया गया है और दीवार पर स्वच्छता संबंधी वॉल लेखन भी कराई गई है, ताकि लोग दोबारा कचरा न फेकें, जिससे लोगों काफी राहत मिल रही है। श्री आयुष सोनी ने जिला प्रशासन की इस संवेदनशील पहल की सराहना की और शासन-प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया। गौरतलब है कि कलेक्टर राहुल देव के मार्गदर्शन में चलाए गए जिला प्रशासन की अभिनव पहल ''वार्ड चलो अभियान'' का सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा है। प्रशासनिक अधिकारी जहां वार्डों में जाकर लोगों की समस्याएं सुनी। वहीं लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण भी किया जा रहा है। इससे आमजनों में काफी राहत है।

19th छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता मे इंडियन ताइक्वांडो क्लब ने मारी बाजी

नंदिनी-अहिवारा (समय दर्शन)। बिलासपुर में आयोजित 19वी छत्तीसगढ़ राज्यस्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता 26 27 28 दिसंबर 2024 में आयोजित की गई जिसमे इंडियन ताइक्वांडो क्लब भिलाई चरोदा के 35 खिलाड़ियों ने अपना शानदार प्रदर्शन कर अपने जिले का नाम रोशन किया इंडियन ताइक्वांडो क्लब के सचिव एवं कोच अनिल कुमार देवांगन ने बताया क्लब के सहायक कोच तरुण जाम्बुलकर सुजल दास हर्ष शिववंशी जतिन नायक सोनिया सोनी श्रेया दास प्रियंका महिपाल के संरक्षण मे टीम दुर्ग जिला 15 स्वर्ण पदक,17 रजत पदक और 19 कांस्य पदक के साथ प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए रनर अप ट्राफी पर अपना कब्जा जमाया। जिसमे प्रथम प्राप्त कर राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप मे अपना जगह बनाया एवं गोल्ड मैडल पर कब्ज़ा ज़मानेवाले खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार है विनय मेश्राम लेकिशा मिश्रा तुषार वैष्णव जिज्ञासा यादव प्रियंका महिपाल एवं द्वितीय स्थान सिल्वर मैडल प्राप्त करने वाले खिलाडी सोनिया सोनी कुशुमिता साहू तुस्य देवांगन ए ओमीषा राव आयुष सिंह सुजल दास श्रेया दास दिव्यांश देवांगन दिव्यांश जंघेल और इसी प्रकार तृतीय स्थान ब्रोज मैडल पर हिताक्ष मिश्रा जतिन नायक नित्यम साहू वात्सल बांकुरे साँची चौहान वैभवी पंडा ओमया जंघेल ने अपना कब्ज़ा जमाया एवं प्रज्ञाश सोनी टिकेंद्र महारा हिमांशु वैष्णव प्रियांश शर्मा प्रियांशु साहू रुपेश देवांगन हृदया गिदाम छाया साहू ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दुर्ग जिले का मान बढ़ाया अत: इंडियन ताइक्वांडो क्लब भिलाई चरोदा के खिलाड़ियों एवं कोच का स्वागत दुर्ग रेलवे स्टेशन मे बच्चों के माता पिता द्वारा किया गया और आगामी राष्ट्रीय चैंपियनशिप के चयनित खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए पालक गण के लिए क्लब ने आभार जाहिर किया।

सियारामचंद्र जी हम सबके कण कण में बसे हैं...अशोक साहू

खम्हरिया में दो दिवसीय रामचरित स्वर मानसगान प्रतियोगिता का हुआ समापन!

पाटन (समय दर्शन)। समीपस्थ ग्राम खम्हरिया में ऐतिहासिक 44वां वर्ष का दो दिवसीय मानसगान प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण संपन्न हुआ।जिसमें मुख्य अतिथि अशोक साहू उपाध्यक्ष ज़िप दुर्ग थे, अध्यक्षता उषा वर्मा सरपंच ने किया, विशेष अतिथि थानसिंह मंडावी कांकेर सांसद प्रतिनिधि,नरेंद्र वर्मा पूर्व सरपंच, मुरारी वर्मा, चंद्रहास वर्मा, डोनेश्वर साहू, मनीष कश्यप उपसरपंच ने सिया रामचंद्र, हनुमान जी की पूजा अर्चना कर ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों की सुख, समृद्धि, शांति, खुशहाली की मंगलकामना किए। जिप उपाध्यक्ष अशोक साहू ने सियारामजी, हनुमान जी की जयकारा लगाते हुए कहा कि भांचा श्रीराम हम सबके कण कण में बसे हैं। खम्हरिया का आयोजन हमेशा से ऐतिहासिक रहा है।पूरे ग्राम में रामायण प्रतियोगिता के साथ मंडाई मिलन में रिश्तेदार, मित्रजन, परिवार जन, राजनेता, सामाजिक बंधु एवं बड़े संख्या में व्यापारी पहुंचते है।आगामी पीढ़ी को धार्मिक आस्था,आयोजन का दायित्व यहां के बुर्जुगों द्वारा दिया जाता है। गत वर्षों में ग्रामवासियों की विभिन्न मांगों में सड़क,पुल,सिंचाई सुविधा,सामाजिक भवनों,मंच सहित विभिन्न अधोसंरचना में करोड़ों के विकास कार्य हुए है जिसके लिए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते है।

सांसद प्रतिनिधि थानसिंह मंडावी ने श्रीरामचरित प्रतियोगिता के माध्यम से हमारी धार्मिक आस्था,संस्कार,संस्कृति परंपरा को जीवंत रखने का कार्य विगत 44 वर्ष से खम्हरिया ग्राम की अलग पहचान को दर्शाता है।

प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में डोटोपार, महिला वर्ग में रेंगाकठेरा की मानस मंडली प्रथम स्थान प्राप्त किया। रात्रिकालीन छत्तीसगढ़ लोककला मंच युगलकिशोर साहू कृत कारी बदरिया की अनुपम प्रस्तुति हुआ। मंच संचालन थानूराम देवांगन एवं आभार आयोजक समिति अध्यक्ष कुबेर सिंह साहू ने किया। इस अवसर पर टीकाराम साहू, टिकेंद्र कश्यप निर्णायक, विश्रामसिंह वर्मा, नाथूराम साहू,जे एल ठाकुर, गणेशराम साहू, कुबेर साहू, दुष्यंत धुरंधर, भीषम साहू, तामेश्वर विश्वकर्मा, बिरेंद्र ठाकुर, खोरबाहरा साहू, ज्ञान लाल वर्मा, प्रवीण मढ़रिया, जितेंद्र साहू,कौशल साहू,बहुरा चौहान, दिनेश वर्मा, देवदत्त वर्मा, सोहन वर्मा, विजय धुरंधर,अश्वनी साहू,गुलशन धुरंधर विजय मानसगान प्रतियोगिता समिति के सदस्य एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

डबल इंजन की सरकार जनहित के हर मोर्चे पर फेल : सूर्यकांत जैन

राजनांदगांव। कांग्रेस कमेटी शहर दक्षिण ब्लॉक के अध्यक्ष सूर्यकांत जैन ने अपने एक जारी बयान में कहा कि केंद्र के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत भाजपा सरकार और छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय नीत भाजपा सरकार जनहित के हर मोर्चे पर फेल साबित हो रहे हैं। कांग्रेस के द्वारा लगातार जनहित में मुद्दा उठा जाने से भाजपा संगठन और पार्टी की धड़कन बढ़ जाती है। इन दिनों इनकी धड़कन और तेज हो गई है, क्योंकि जनहित के मुद्दों को कांग्रेस जोर-शोर से उठा रही है। खिसयानी बिल्ली खंबा नोचे के तर्ज पर विपक्ष के किसी नेता को जेल भिजवा रही है, तो किसी को किसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा रही है। कुछ दिन पहले कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिक दर्ज कराई गई है।

श्री जैन ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार इतना तो सत्य है कि देश की प्रबुद्ध जनता की नजरों में गिर चुकी है। देश की जनता महंगाई से बुरी तरह त्रस्त है। केंद्र में कांग्रेस सरकार थी, तब देश के प्रमुख अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, उस समय महंगाई ऐसी अनाप-शनाप नहीं थी। नियंत्रण में थी भाजपा सरकार के पास महंगाई नियंत्रण के लिए योजना ही नहीं है। सरकार को डर है कि आगामी त्रि-स्तरीय पंचायती राज चुनाव और नगरी निकाय चुनाव के परिणाम भाजपा के खिलाफ जाएंगे, इसलिए बहानेबाजी करके टालते जा रही है। छत्तीसगढ़ में समर्थन दर पर धान खरीदी योजना में भी भाजपा सरकार की असफलता दिखाई दे रही है। किसान खुद को ठगा महसूस कर रहा है। सोसाइटी में बंफर लिमिट से ज्यादा धान हो गया है और धान ऊपार्जन केंद्रों में धान उठाने में शासन-प्रशासन के पसीना छूट रहा हैं। किसान एक मुश्त भुगतान नहीं होने से नाराज है। भाजपा ने चुनाव के समय किसानों को एक मुश्त भुगतान का झूठा वादा किया था, जिसके चक्कर में किसान आ गए अब उन्हें एकमुस्त भुगतान नहीं किया जा रहा है। भूपेश बघेल नीत कांग्रेस सरकार ने किसानों को समर्थन दर पर धान 2500 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंचाकर किसान हित में बड़ा निर्णय लिया था, उसी की नकल करते हुए भाजपा ने 3100 रुपये प्रति क्विंटल की घोषणा कर सरकार तो बना ली, अब देने में टालमटोल कर रही है। सरकारी दफ्तरों पर भी कोई काम नहीं हो रहा है एक-एक काम के लिए जनता को चक्कर काटना पड़ रहा है, बेरोजगारों को भी रोजगार के लिए भाजपा सरकार में लगातार चक्कर काटना पड़ रहा है, जिसका खामियाजा साय सरकार को आने वाले चुनाव में जनता मुंहतोड़ जवाब देगी।

अतिक्रमण एवं अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों पर कार्रवाई करें - कलेक्टर

जनदर्शन के प्रकरणों का संवेदनशीलता से निराकरण करने के दिए निर्देश, समय-सीमा की बैठक सम्पन्न

मुंगेली (समय दर्शन) कलेक्टर राहुल देव ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने जिले के अनुविभागीय अधिकारियों को संबंधित थाना प्रभारियों की बैठक लेकर शासकीय जमीन पर कब्जा सहित अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों पर बॉन्ड ओवर की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार उन्होंने जिले के शैक्षणिक संस्थाओं के 100 मीटर के अंदर क्षेत्र में तंबाकू सिगरेट सहित अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने एवं उचित कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा जीवन ज्योति योजना अंतर्गत शिविर लगाकर शतप्रतिशत खाताधारकों का फार्म भरवाने और पात्र हितग्राहियों को योजनांतर्गत लाभान्वित करने के लिए कहा।

कार्य में लापरवाही पर लोरमी तहसीलदार को नोटिस जारी- कलेक्टर ने जनदर्शन के महत्वपूर्ण प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की तथा अधिकारियों को समय-सीमा में पूरी संवेदनशीलता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनदर्शन के प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही पर लोरमी तहसीलदार श्री शेखर पटेल को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन बड़ी दूर-दूर से अपनी मांग एवं समस्याओं के लिए जनदर्शन में आते हैं, उनकी समस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने राजस्व प्रकरणों नामांतरण, सीमांकन, बटांकन, फौती, त्रुटि सुधार आदि की समीक्षा की और निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए।

समितियों में धान को सुरक्षित रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश- कलेक्टर ने धान खरीदी की स्थिति एवं प्रगति के संबंध में जानकारी लेते हुए अधिकारियों को धान का भौतिक सत्यापन करने एवं समितियों में धान को सुरक्षित रखने अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार उन्होंने प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, वार्ड चलो अभियान, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र, कॉल सेंटर में दर्ज प्रकरण, चिराग परियोजना आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए समय-सीमा में लक्ष्य के अनुरूप आवश्यक प्रगति लाने के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर वनमंडलाधिकारी संजय यादव, अपर कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी एवं जी. एल. यादव, श्रीमती मेनका प्रधान, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर गिरीश रामटेके, लोरमी एसडीएम अजीत पुजारी, पथरिया एसडीएम बी. आर. ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर अजय शतरंज सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

सार समाचार

राज्य में अब पड़ेगी कड़ाके की ठंड

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश में एक फिर मौसम बदला हुआ है. जिससे आगामी ने साल की शुरुआत में लोगों को कंपकंपाती ठंड का सामना करना पड़ेगा. दरअसल मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों तक यहां पर मौसम शुष्क रहने की चेतावनी जारी की है. जिसके चलते आज से तापमान में गिरावट होगी. सूत्रों के मुताबिक अगले दो जनवरी तक प्रदेश का न्यूनतम तापमान में 6 से 8 डिग्री तक गिरावट होने के आसार है। वहीं अगर बाकी आनी जिलों कि बात करें तो भरतपुर और मनेन्द्रगढ़ जिले में रविवार को बारिश हुई है.यहां का अधिकतम लगभग 31.2 डिग्री तक दर्ज किए गए हैं. वहीं दूसरी ओर सबसे ज्यादा ठंडा रहा बलरामपुर रहा हैं. और अधिकतम तापमान 12.6 डिग्री तक दर्ज किए गए हैं. इस कड़ी में मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा बताया कि, उत्तरी शेत्र में शीतलहर के चलते 31 दिसंबर के बाद से यानि नए साल की शुरुआत में अधिक ठंड बढ़ेगी।

कार की टक्कर से बाइक सवार अधेड़ की मौत

रायपुर(समय दर्शन)। संतोषीनगर ओव्हरब्रीज के ऊपर एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार अधेड़ को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले में टिकरापारा पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक सुरेन्द्र सिंह 47 वर्ष चंगोराभाठा का रहने वाला था। बताया जाता है कि सुरेन्द्र अपनी बाइक से कहीं जा रहा था, तभी संतोषीनगर ओव्हरब्रीज के ऊपर एक तेज रफ्तार कार क्रमांक सीजी 04 एनजे 3522 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दिया। जिससे सुरेन्द्र की मौत हो गई। मामले में टिकरापारा पुलिस ने कार चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

प्रतिबंधित नशीली टेबलेट के साथ तीन गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। राजेन्द्र नगर पुलिस ने आरडीए बिल्डिंग के पीछे खाली प्लाट के पास प्रतिबंधित नशीली टेबलेट के साथ एक एक्टिवा सवार तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार राजेन्द्र नगर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक्टिवा सवार दो युवक प्रतिबंधित स्पास्मो प्रोक्सीवन टेबलेट खपाने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना पर पुलिस के टीम ने आरडीए बिल्डिंग के पीछे खाली प्लाट के पास दबिश देकर आरोपी प्रेम बघेल 26 वर्ष, किशोर हरपाल एवं संजय को गिरफ्तार किया है।

राज्य के 20 जिलों के किसान कर रहे हैं फोल्डस्कोप का उपयोग

छत्तीसगढ़ में कृषि और पशुपालन को नई दिशा देने वाला उपकरण फोल्डस्कोप

उन्नत तकनीक के जरिए किसान मिट्टी की गुणवत्ता और पौधों की बीमारियों का पता लगाने में हो रहे सक्षम

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की विशेष पहल पर छत्तीसगढ़ में खेती को उन्नत और लाभकारी बनाने के लिए लगातार नित नए नवाचार किए जा रहे हैं। किसानों को उन्नत कृषि उपकरणों के उपयोग और वैज्ञानिक पद्धति को अपनाने के लिए लगातार प्रोत्साहित किए जा रहा है, जिसके सार्थक परिणाम भी सामने आने लगे है। छत्तीसगढ़ राज्य कृषि प्रधान राज्य है। यहां की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी खेती किसानी पर निर्भर है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था की धुरी भी कृषि है। छत्तीसगढ़ को खुशहाल और समृद्ध बनाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार किसानों को हर संभव मदद दे रही है। छत्तीसगढ़ में फसलों के कीट प्रकोप प्रबंधन और उन्नत नस्ल के पशुपालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किसानों को फोल्डस्कोप माइक्रोस्कोप के उपयोग के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया जा रहा है। राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान के सहयोग से राज्य के 20 जिलों के किसानों को ''फोल्डस्कोप'' नामक पोर्टेबल माइक्रोस्कोप वितरित किया गया है, जिसका उद्देश्य किसानों को खेती और पशुपालन में वैज्ञानिक तकनीकों से सशक्त बनाना है। रायगढ़, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार-भाटापारा, रायपुर, धमतरी, दुर्ग, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, कोरिया, सरगुजा, जशपुर, कोरबा, सक्ती, महासमुंद, बिलासपुर, मुंगेली, कबीरधाम, बेमेतरा, कांकेर और बस्तर जिलों के 30 से अधिक गांवों में फैले इस कार्यक्रम को आईसीएआर - राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। फोल्डस्कोप एक किफायती और पोर्टेबल माइक्रोस्कोप है, जिसे स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिक प्रोफेसर मनु प्रकाश और उनकी टीम ने विकसित किया है। इसे 2014 में लॉन्च किया गया था और तब से इसका उपयोग शिक्षा, शोध और निदान के लिए किया जा रहा है। यह उपकरण खेती और वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में बेहद उपयोगी और किफायती है। फोल्डस्कोप का उपयोग किसान कीट और रोग का पता लगाने, मिट्टी की गुणवत्ता की जांच और पानी के विश्लेषण के लिए कर रहे हैं। इसकी मदद से फसलों में पाउडरी फफूंदी, पत्ती झुलसा, पत्ती धब्बा और कटाई के बाद होने वाली बीमारियों की पहचान की जा रही है। अब तक, फोल्डस्कोप की मदद से 16 प्रकार के फफूंद रोगों और उनके कारक जीवों की पहचान हो चुकी है। उदाहरण के लिए, गोलोविनोमाइसेस सिचोर-एसेरम और एरीसिफे पॉलीगोनी जैसे रोगजनकों का पता लगाया गया है। फोल्डस्कोप केवल खेती तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे पशुपालन में भी इस्तेमाल किया जा रहा है।

चाकूबाजों-हिस्ट्रीशीटरों को पुलिस की दो टूक, हुड़दंग किया तो खैर नहीं

रायपुर(समय दर्शन)। आगामी नववर्ष उत्सव को दृष्टीगत रखते हुए अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने सहित सुरक्षा व शांति व्यवस्था के मद्देनजर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राईम संदीप मित्तल एवं उप पुलिस अधीक्षक क्राईमसंजय सिंह के नेतृत्व में क्राईम ब्रांच की टीम द्वारा आज दिनांक 30.12.24 को अलग-अलग थाना क्षेत्रों में निवासरत 50 से अधिक चाकूबाजों, हिस्ट्रीशीटरों एवं अपराधिक तत्वों को क्राईम ब्रांच में हाजिर किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा स्वयं चाकूबाजों, हिस्ट्रीशीटरों एवं अपराधिक तत्वों की परेड़ ली जाकर उन्हें कड़ाई से समझाईश दी गई, कि वे किसी भी प्रकार के अपराध में संलिप्त ना रहें तथा उनके साथी जो अपराधों में संलिप्त रहते है, उनके संबंध में भी पुलिस को जानकारी देने कहा गया। प्रत्येक सप्ताह अपने संबंधित थानों में जाकर हाजिरी देने व अपराधों से दूर रहकर शांति पूर्वक अपने परिवार के साथ जीवन यापन करते हुये, पुलिस द्वारा जब भी उन्हें उपस्थित होने कहा जाता है तो तत्काल उपस्थित होने कहा गया। उनके निवास क्षेत्रों के आसपास किसी भी प्रकार की छोटी-बड़ी घटना होने पर सूचना तत्काल पुलिस को देने तथा क्षेत्र में सुरक्षा, शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने में पुलिस का सहयोग करने कहा गया। इसके साथ ही वरिष्ठ पुलिस द्वारा सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मो में गुण्डा, डॉन, माफिया, गैंगस्टर सहित अन्य कई विभिन्न नामों से अपना आई.डी. बनाकर हाथ में चाकू, तलवार, एयर गन, पिस्टलनुमा लाईटर गन सहित अन्य हथियारों के साथ फोटो, विडियो व रील्स बनाकर अपने इंस्टाग्राम आई.डी. में अपलोड कर पोस्ट करने वालों को भी कड़ाई से समझाईश दिया गया, कि वे इस प्रकार की पुनरावृत्ति ना करें तथा किसी भी प्रकार के अपराधों में लिप्त ना रहें।

सुकमा जिले के दुर्गम गांवों में स्वास्थ्य की नई रोशनी

रायपुर(समय दर्शन)। सुकमा जिले के सभी विकासखण्डों में विशेषकर पहुँचविहीन जनजातीय गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने के लिए विशेष हेल्थ कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इन कैम्पों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के आखिरी व्यक्ति तक स्वास्थ्य योजनाओं और सेवाओं को पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है। ये हेल्थ कैम्प कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन में लगाए जा रहे हैं। बीते दिनों स्वास्थ्य विभाग की टीम तीन नदी-नालों को पार करते हुए और पगडंडियों के सहारे दूरस्थ वनांचल ग्राम सिरकेट्टी पहुंची। वहां वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में निक्षय निरामया छत्तीसगढ़ के तहत 100 दिवसीय पहचान एवं उपचार अभियान के अंतर्गत एनटीईपी, एनवीबीडीसीपी, पिरामल फाउंडेशन और लेप्रा सोसाइटी के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर के दौरान लगभग 1057 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इनमें क्षय, मलेरिया, कुष्ठ, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों की स्क्रीनिंग की गई। 45 क्षय रोग संदिग्ध व्यक्तियों का बलगम सैंपल लेकर जाँच के लिए जिला क्षय उन्मूलन केंद्र भेजा गया। इसके अतिरिक्त, 157 ग्रामीणों को स्वास्थ्य जांच के बाद नि:शुल्क दवाओं का वितरण किया गया। अपने गांव में ही नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं पाकर ग्रामीणजन खुश हैं। बड़ी संख्या में ग्रामीण अपने और अपने परिवार के सदस्यों की जांच कराने शिविर में पहुंचे। शिविर में उन्हें मौसमी बीमारियों से बचाव, साफ-सफाई बनाए रखने और मच्छरदानी का उपयोग करने की सलाह दी गई। इस शिविर में स्वास्थ्य विभाग के मुकेश रॉय, मालती नेताम, श्यामलाल ध्रुव पिरामल फाउंडेशन से जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश सोलंकी और लेप्रा सोसाइटी से जिला कार्यक्रम समन्वयक अमित कुण्डू का सहयोग सराहनीय रहा।

निकाय चुनाव टालने षडयंत्र रच रही है भाजपा सरकार : सुरेंद्र वर्मा

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि स्थानीय निकाय चुनाव टालने के लिए भाजपा सरकार लगातार षडयंत्र रच रही है। परिसीमन से लेकर आरक्षण तक प्रक्रिया में अव्यावहारिक बदलाव करके चुनाव को बाधित कर रहे हैं। महापौर के लिए आरक्षण की प्रक्रिया अकारण ही 10 दिन आगे बढ़ा दिया गया। असलियत यह है कि भाजपा सरकार नगरीय निकाय चुनाव की प्रक्रिया में जाने से डर रही, लगातार बहाने कर रही है। पहले अध्यादेश और अब पंचायत अध्यक्षों और महापौर के आरक्षण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया। जनता साय सरकार के कामकाज से बेहद नाराज है, बिगड़ती कानून व्यवस्था, धान खरीदी में कुप्रबंधन, आरक्षक भर्ती घोटाला, महतारी वंदन योजना में भ्रष्टाचार, अपराध, अपराधियों और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण से यह सरकार जनता का भरोसा खो चुकी है, इसलिए चुनाव टाला जा रहा है। सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि कांग्रेस के दबाव में बैलेट पेपर पर चुनाव कराने मजबूर हुए साय सरकार। कांग्रेस की मांग है कि केवल स्थानीय निकाय ही नहीं, हर चुनाव बैलेट पेपर से होना चाहिए, विश्वसनीयता के लिए पारदर्शिता आवश्यक है। लोकतंत्र पर आम जनता का भरोसा कायम रहे इसके लिए बैलेट पेपर से चुनाव आवश्यक है। एक साल हो गए भारतीय जनता पार्टी की छत्तीसगढ़ में सरकार बने, लेकिन अब तक यह कह रहे हैं कि तैयारी नहीं हो पाई है, महापौर और पालिका अध्यक्ष के लिए आरक्षक प्रक्रिया आगे बढ़ा दिए, आरक्षण के नियमों में अव्यावहारिक बदलाव कर दिए, आरक्षित वर्ग के अधिकारों में दुर्भावना पूर्वक कुठाराघात किया गया है। तरह तरह के बहाने बनाकर स्थानीय निकाय चुनाव को टाला जा रहा है।

प्रत्याशी चयन के लिए कांग्रेस-भाजपा बना रहे मापदंड

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारी तेज हो चुकी है. बीजेपी और कांग्रेस अपने प्रत्याशी के चयन के लिए सर्वे कराएगी. प्रत्याशी चयन में सर्वे प्रमुख आधार बनेगी. दोनों ही पार्टी जीतने वाले कैंडिडेट पर भरोसा जताएगी। हालांकि अभी चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है और सभी की नजर राज्य निवार्चन आयोग की ओर टिकी हुई है कि कब आचार संहिता लागू हो जाए। दूसरी ओर राज्य की दोनों प्रमुख पार्टियां अपने-अपने संभावित उम्मीदवारों की तलाश और चयन के लिए अभी से मापदंड निर्धारित करने में लगी हुई है। कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दल इस बात के लिए आश्वस्त है कि इस बार नगरीय निकाय चुनाव में उनकी शानदार जीत होगी। अब तक यह देखने में आया है कि राज्य में यदि कांग्रेस का शासन है तो भाजपा के प्रत्याशी नगरीय निकाय चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करते हैं और राज्य के अधिकांश निकायों में भाजपा का दबदबा रहता है। वहीं भाजपा शासनकाल में राजधानी रायपुर में कई महापौर कांग्रेस के बने। ऐसे में दोनों ही दल इस बात के लिए पूरा मेहनत कर रहे हैं कि इस बार भी नगरीय निकाय चुनाव में उनके दल का दबदबा बना रहे।

सोमवती अमावस्या के अवसर पर पवित्र स्नान के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु हर की पौड़ी पर एकत्रित हुए.

सैमसंग को भारत में एसी बिजनेस पर पूरा भरोसा, 2025 में लॉन्च करेगा नए विंडफ्री मॉडल

गुरुग्राम: भारत के प्रमुख कंज्यूममर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने 2025 में एयर कंडीशनर के एक दर्जन से अधिक मॉडल लॉन्च करने की योजना बनाई है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार दक्षिण कोरिया की उपकरण बनाने वाली प्रमुख कंपनी अपने उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ाना चाहती है और भारत में रूम एसी सेगमेंट में एक पसंदीदा ब्रांड बनना चाहती है। सैमसंग के नए एसी मॉडल कंपनी के मालिकाना हक वाले बीस्पोक एआई समाधानों से पावर्ड होंगे और इसके द्वारा उन उपभोक्ताओं को लक्षित किया जाएगा जो प्रीमियम एसी खरीदना चाहते हैं। विश्लेषकों का कहना है कि रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन की श्रेणियों में सैमसंग की बीस्पोक एआई रेंज के घरेलू उपकरणों को भारतीय बाजार में बहुत अच्छाश रिस्पॉशन्सी मिला है और यह सैमसंग को रूम एयर कंडीशनर सेगमेंट में विस्तार करने के लिए एक मजबूत शुरुआत देता है। कंपनी की योजना से अवगत डीलरों ने कहा कि सैमसंग की नई एसी रेंज शक्तिशाली एयर कंडीशनर को लेकर उपभोक्ता ओं की मांग को पूरा करेगी। इस रेंज में तेज और आरामदायक कूलिंग, ऊर्जा की बचत, सहूलियत और ड्यूरैबिलिटी को खूबसूरती के साथ मिलाया गया है। भारतीय रूम एयर-कंडीशनर (आरएसी) उद्योग उल्लेखनीय विकास के लिए तैयार है और कई विश्लेषकों ने 2025 में बिक्री की मात्रा में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि का अनुमान लगाया है।

उप मुख्यमंत्री ने सड़क एवं सेतु कार्य की नवीन दर अनुसूची का किया विमोचन

लोक निर्माण विभाग ने 2015 से प्रचलित पुराने एसओआर को किया अद्यतन, ठेकेदारों का वित्तीय जोखिम होगा कम

रायपुर(समय दर्शन)। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने आज सड़क एवं सेतु कार्य की नवीन दर अनुसूची (स्ह्रक्र) का विमोचन किया। राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा 2015 से प्रचलित पुराने एसओआर को अद्यतन किया गया है। नए एसओआर में नई मशीनरी और निर्माण की नई तकनीकों को भी शामिल किया गया है। इनसे गुणवत्तापूर्ण कार्यों के साथ ही ठेकेदारों का वित्तीय जोखिम कम होगा। राज्य में 1 जनवरी 2025 से नया एसओआर लागू होगा। सड़कों के प्रभावी संधारण के लिए छत्तीसगढ़ में भी पी.बी.एम.सी./ओ.पी.आर.एम.सी. लागू किया जाएगा। इसके लिए विभाग द्वारा जल्दी ही पायलेट प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नए एसओआर के विमोचन के मौके पर आयोजित प्रेस-कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और उन्हें समय-सीमा में पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। नए एसओआर के लागू होने के बाद इनमें और आसानी होगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रचलित एसओआर 1 जनवरी 2015 से लागू है। उस समय इसमें 2014 में प्रचलित श्रमिकों की दर, सामग्री की दर एवं मशीनरी की दर शामिल की गई थी, जिनमें अब दस वर्षों के बाद बहुत अधिक परिवर्तन आ चुका है। नवीन दर अनुसूची वर्तमान में प्रचलित श्रमिकों की दर, सामग्रियों की दर एवं मशीनरी की दर के आधार पर तैयार किया गया है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बताया कि वर्ष-2015 में जारी की गई दर अनुसूची उस समय प्रचलित सभी टैक्सेस (ञ्जड्ड×द्गह्य) को समावेशित करते हुये तैयार की गई थी। नए एसओआर में देश में 1 जुलाई 2017 से लागू जी.एस.टी. को समाहित किया गया है। ठेकेदार अपनी निविदा दर जी.एस.टी. सहित देंगे जिससे ठेकेदार को पृथक से जी.एस.टी. का भुगतान नहीं करना होगा, परन्तु कार्य की लागत में जी.एस. टी. का प्रभाव सम्मिलित रहेगा। दरों को जी.एस.टी. के प्रभाव के बिना रखे जाने से समय-समय पर जी.एस.टी. की दरों में होने वाले परिवर्तन के कारण ठेकेदार को कार्य करने में जोखिम नहीं रहता है। जी.एस.टी. का प्रभाव सम्मिलित प्रचलित जी.एस.टी. की दरों को प्राक्कलन में जोड़ा जाएगा। ऐसा करने से ठेकेदारों पर वित्तीय जोखिम नहीं आएगा। श्री साव ने प्रेस-कॉन्फ्रेंस में बताया कि विगत 10 वर्षों में कई नवीन तकनीक (ह्द्द2 ह्लद्गष्द्धठ्ठशद्यशद्द4), नए मटेरियल एवं आई.आर.सी. द्वारा विभिन्न कार्यों की कार्यविधि में परिवर्तन किया गया है। इन नवीन तकनीकों और मटेरियल्स के उपयोग का प्रावधान भी नवीन एस.ओ.आर. में किया गया है। इनमें सीमेंट एवं केमिकल से स्वाइल स्टेबलाईजेशन, पेव्हमेंट व्हाइट टॉपिंग, रोड साइनेज में एल्युमिनियम कम्पोजिट मटेरियल शीटिंग का उपयोग, प्रीकास्ट आर.सी.सी. ड्रेन, प्रीकास्ट बाक्स कल्वर्ट, फाउंडेशन कार्य में आर.सी.सी. के उच्च ग्रेड एम-40, एम-45, एम-50 का उपयोग, सब-स्ट्रक्चर कार्य में प्री-स्ट्रेसिंग, बम्बू क्रैश बैरियर और नॉइज बैरियर जैसी नई चीजें शामिल हैं। श्री साव ने बताया कि नवीन दर अनुसूची लागू होने से निर्माण कार्यों के डी.पी.आर./ प्राक्कलन में कार्य लागत का आंकलन वास्तविक होगा एवं कार्यों हेतु प्रशासकीय स्वीकृति की जाने वाली राशि कार्य करते समय पुनरीक्षित स्वीकृति की आवश्यकता कम होगी। कार्यों की गुणवत्ता एवं समय-सीमा में पूर्ण करने में सार्थक परिणाम मिलेगा।

संपादकीय

ट्रंप से भारतीय उद्योग जगत को विशाल अवसर

जीटीआरआई ने अपनी रिपोर्ट में कहा है- %डॉनल्ड ट्रंप के फिर राष्ट्रपति बनने से व्यापार की उभर रही सूरत भारतीय उद्योग जगत के लिए एक विशाल अवसर है, क्योंकि वे मेक्सिको, कनाडा, चीन और अन्य देशों पर नए शुल्क लगाने जा रहे हैं।' कहानी पुरानी है। दुनिया में जब कोई बड़ा बदलाव आता है, तो भारत के राजनेता, थिंक टैंक, विशेषज्ञ और मीडिया धारणा बनाते हैं कि उससे भारत के लिए बड़ा अवसर पेश आएगा। मगर लगभग हर बार मौका निकल जाता है! तब किसी ऐसे नए %अवसर' से उम्मीद जोड़ी जाती है! डॉनल्ड ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल में चीन के खिलाफ व्यापार युद्ध छेड़ा, तब कहा गया था कि उससे भारत के लिए बड़ा मौका पेश आएगा। निम्न-स्तरीय उत्पादन शृंखला में चीन का जो स्थान है, वह धीरे-धीरे खिसक कर भारत आ जाएगा। लेकिन अब विशेषज्ञ और थिंक टैंक ही नहीं, बल्कि भारत सरकार की संस्थाएं भी मानती हैं कि वो अवसर भारत ने गंवा दिया। अब ट्रंप फिर राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं, तो पुरानी बातें भूल कर फिर माहौल बनाया जा रहा है कि उनके दूसरे कार्यकाल की नीतियां भारत के लिए बहुत बड़ा अवसर साबित होंगी। नई दिल्ली स्थित आर्थिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने एक ताजा रिपोर्ट में कहा है- %डॉनल्ड ट्रंप के फिर राष्ट्रपति बनने से व्यापार की उभर रही सूरत भारतीय उद्योग जगत के लिए एक विशाल अवसर है, क्योंकि वे मेक्सिको, कनाडा, चीन और अन्य देशों पर नए शुल्क लगाने जा रहे हैं।' जीटीआरआई शायद इस संभावना को भूल गई कि उन अन्य देशों में भारत भी एक हो सकता है। ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान के दौरान जिन पक्षों को अनुचित व्यापार व्यवहार में लगा बताया था, उनमें यूरोपियन यूनियन और भारत भी हैं। बहरहाल, ये आशंका टल भी गई, तो भी यह सवाल तो बना रहेगा, जैसाकि खुद जीटीआरआई ने भी स्वीकार किया है कि ट्रंप-1 से बने अवसर भारत के हाथ से निकल गए? संस्था ने कहा है कि उस अवसर का सबसे ज्यादा लाभ मेक्सिको, कनाडा, एवं आसियान देशों ने उठाया। इसकी वजह स्थानीय सप्लाई चेन और महत्त्वपूर्ण माध्यमिक इनपुट्स के उत्पादन में भारत की कमजोरी रही। संस्था की सलाह है कि भारत को ये कमजोरियां दूर करनी चाहिए। मगर यही तो असल बात है। ये आखिर कैसे और कब होगा?

मुफ्त की चुनावी घोषणाएं बिगाड़ रहीं हैं आर्थिक सेहत

योगेंद्र योगी

दिल्ली चुनाव को अभी एक महीने से ज्यादा का समय बाकी है। उससे पहले दिल्ली की आम आदमी पार्टी ने महिला सम्मान योजना को मंजूरी दे दी। इस योजना के तहत महिलाओं के खाते में हर महीने 1000 रुपये आएंगे। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चुनाव के बाद इसको बदलकर 2100 रुपए करेंगे। चुनाव जीतने के लिए मुफ्त की रेवड़ी बांटने वाली आप अकेली पार्टी नहीं हैं। जब भी चुनाव नजदीक आते हैं, राजनीतिक दलों में खैरात बांटने की होड़ लग जाती है। इसका एकमात्र मकसद चुनाव जीतना है। इसके नुकसान-फायदों की राजनीतिक दलों का परवाह नहीं हैं। यह अलग बात है कि चाकू खरबूजे पर गिरे या खरबूजा चाकू पर, कटना तो खरबूजे को ही है। मसलन फ्री का माल लेने वाले को भी आखिरकार इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। किसी न किसी रूप में टैक्स का बोझ उन पर भी पड़ता है। फ्री की योजनाओं का फायदा उठाने वाले भी इससे बढने वाली महंगाई की मार से बच नहीं सकते।

इससे पहले राजस्थान में विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वोटरों को फ्री में स्मार्टफोन और तीन साल के लिए फ्री इंटरनेट का वायदा किया था। गहलोत ने राज्य के हर परिवार को हर महीने 100 यूनिट तक फ्री बिजली फ्री देने का ऐलान किया था। मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कांग्रेस की सरकार बनने पर हर परिवार को 100 यूनिट तक फ्री बिजली देने का वादा किया। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहना योजना के तहत सवा करोड़ गरीब महिलाओं के खाते में एक हजार रुपये जमा कराए। कांग्रेस ने वादा किया था कि उसकी सरकार आई तो हजार नहीं बल्कि 1,500 रुपये दिए जाएंगे। शिवराज ने युवाओं को लुभाने के लिए 12वीं कक्षा के कुल 9000 टॉपर्स को एक-एक स्कूटी देने का भी ऐलान किया था। चुनावी रेवड़ी बांटना का कल्चर शुरु से ही विवादों से घिरा रहा है। सुप्रीम कोर्ट, रिजर्व बैंक ऑफइंडिया, आर्थिक विशेषज्ञ, चुनाव आयोग और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक इस पर चिंता जता चुके हैं। कोई भी राजनीतिक दल व्यापक देशहित से जुड़े ऐसे मुद्दों का समाधान तलाशना तो दूर बल्कि चर्चा तक करना नहीं चाहता। सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त राशन और अन्य मुफ्त योजनाओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि आखिर लोगों को फ्री की रेवड़ी कब तक बांटी जाएगी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान मुफ्त राशन देना समय की जरूरत थी, लेकिन अब रोजगार और आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि देश के 81 करोड़ लोगों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मुफ्त या सब्सिडी वाला राशन दिया जा रहा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा, तो मतलब सिर्फ टैक्सपेयर्स ही ऐसे लोग हैं जिन्हें मुफ्त राशन नहीं मिल रहा है। यह स्थिति गंभीर विचार का विषय है। वर्ष 2022 में श्रीलंका का आर्थिक संकट सामने आया तो इसने दुनियाभर की सरकारों को चेता दिया। सर्वदलीय बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि श्रीलंका से सबक लेते हुए हमें मुफ्त के कल्चर से बचना चाहिए। जयशंकर ने कहा कि श्रीलंका जैसी स्थिति भारत में नहीं हो सकती, लेकिन वहां से आने वाला सबक बहुत मजबूत है। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक रैली में रेवड़ी कल्चर पर सवाल उठाए थे। पीएम मोदी ने कहा था कि आजकल हमारे देश में मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट बटोरने का कल्चर लाने की भरसक कोशिश हो रही है। ये रेवड़ी कल्चर देश के विकास के लिए बहुत घातक है। रेवड़ी कल्चर वालों को लगता है कि जनता जनार्दन को मुफ्त की रेवड़ी बांटकर उन्हें खरीद लेंगे। मोदी ने कहा था कि हमें मिलकर रेवड़ी कल्चर को देश की राजनीति से हटाना है।

भारत में ऐसी लुभावनी पर आर्थिक तौर पर घातक चुनावी वायदों की शुरुआत तमिलनाडु से मानी जाती है। वर्ष 2006 में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव में डीएमके ने सरकार बनने पर सभी परिवारों को फ्री कलर टीवी देने का वादा किया। डीएमके के इस चुनावी वादे को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। हालांकि, डीएमके जीत गई। वादा पूरा करने के लिए 750 करोड़ रुपये का बजट लगाया गया। मामला सुप्रीम कोर्ट में चल ही रहा था कि 2011 के विधानसभा चुनाव में विपक्षी अन्नाद्रमुक ने टीवी के जवाब में मिक्सर ग्राइंडर, इलेक्ट्रिक फैन, लैपटॉप, कम्प्यूटर, सोने की थाली आदि बांटने का वादा कर दिया। शादी होने पर महिलाओं को 50 हजार रुपये और राशन कार्ड धारकों को 20 किलो चावल देने का वादा भी किया। नतीजे आए तो अन्नाद्रमुक की सरकार बन गई। 2006 के चुनावी वादे पर जुलाई 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फ्रीबीज सभी लोगों को प्रभावित करती है, जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की जड़ को काफी हद तक हिला देती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को भी आदेश दिया कि वो सभी राजनीतिक पार्टियों से सलाह-मशविरा कर एक आचार संहिता बनाए। इसके बाद 2015 में चुनाव आयोग ने राजनीतिक पार्टियों और उम्मीदवारों के लिए आचार संहिता जारी भी की, लेकिन उसके बावजूद चुनावों में फ्रीबीज का ऐलान होता ही रहा है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने कहा था, ऐसी योजनाएं जिनसे क्रेडिट कल्चर कमजोर हो, सब्सिडी की वजह से कीमतें बिगड़ें, प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में गिरावट आए और लेबर फोर्स भागीदारी कम हो तो वो फ्रीबीज होती हैं। वर्ष 2022 पिछले साल आरबीआई की भी एक रिपोर्ट आई थी। इसमें कहा गया था कि राज्य सरकारें मुफ्त की योजनाओं पर जमकर खर्च कर रही हैं, जिससे वो कर्ज के जाल में फंसती जा रही हैं। स्टेट फाइनेंसेस: अ रिस्क एनालिसिस नाम से आई आरबीआई की इस रिपोर्ट में उन पांच राज्यों के नाम दिए गए हैं, जिनकी स्थिति बिगड़ रही है। इनमें पंजाब, राजस्थान, बिहार, केरल और पश्चिम बंगाल शामिल थे। चुनावी वादों के कारण बढ़ रही मुद्रास्फीति और महंगाई की मार आम लोगों पर पड़ रही है। बेरोजगारी बढ़ रही है। राजनीतिक दलों का इससे सरोकार नहीं है। सत्ता में आने के बाद सरकारें फ्री देने के वादे पूरा करने के लिए टैक्स का बोझ बढ़ाती जा रही हैं। होना तो यह चाहिए कि कोई राजनीतिक दल जब ऐसी मुफ्त की चुनावी घोषणाओं का ऐलान करे तो साथ ही यह भी बताए कि इसके लिए धन का इंतजाम कैसे किया जाएगा। मसलन इसके एवज में करदाताओं पर कितना बोझ पड़ेगा। जब तक हिसाब-किताब पारदर्शी नहीं होगा तब तक ऐसी योजनाओं देश पर बोझ साबित होती रहेंगी।

गाय से गोबर प्यारा

पहली बार गाय को अपने गोबर पर गर्व महसूस हुआ। उसे यकीन नहीं हुआ कि एक दिन वह अपने दम पर इसे बेच पाएगी। गाय को अपने दूध का एहसास है, लेकिन इसके कारण उसके बछड़े आवारा हो गए। बिके हुए दूध का क्रेडिट नामी कंपनियां ले गईं या पशुपालन मंत्रियों के आंकड़ों ने इसे कहीं का नहीं छोड़ा। दरअसल देश के दूध ने गाय को भी अवारा बना दिया। खैर अब गोबर की वजह से इसे फिर से मुख्यधारा में आना पड़ा। इधर गोबर को भी पहली बार मालूम हुआ कि उसका भी आत्मसम्मान है। वैसे आत्मसम्मान का ताल्लुक अब बिकने से है। आज की राजनीति में जो नेता गोबर की तरह बिक रहे हैं, कितने आत्मसम्मानी हैं। यही वजह है कि अब कई राज्य सरकारें गोबर बेचने के धंधे से अपने आत्मसम्मान के घाटे को पूरा कर रही हैं। बेचा तो सरकारों ने सब कुछ, मगर गोबर ने अपनी क्षमता और संभावना के दम पर सरकारों की छाती चौड़ी कर दी। गोबर को मिली इज्जत से सारा आवारा गोवंश और खास तौर पर सांड भी खुश हैं। वे भी नाकारा होते हुए काम के हो गए। हर हलके के विधायक को कहने को आसपास ही इतना गोबर तो मिल गया कि बता सके कि उसकी सरकार की वजह से कितना उत्पादन बढ़ गया है। अचानक अपनी तहजीब बदल कर गोबर शालीन हो गया। अब नागरिक समाज माइंड नहीं करता कि उसकी गली या बस्ती में कब कोई आवारा पशु गोबर कर गया। वह हर जगह पड़े गोबर से देश के भविष्य की आशा करने लगा है। अब सडक़ पर लोग आवारा पशु नहीं, बल्कि गोबर के ढेर खोज रहे थे कि अचानक एक दिन आवारा सांड के मन में आत्म विश्वास जाग गया। उसने तय किया कि इससे पहले कि जीवन ही असफल हो जाए, क्यों न ज्यादा से ज्यादा गोबर पैदा करके सरकार की मंशा को पूरा किया जाए। सामने कृषि विभाग का प्रदर्शनी खेत था। वर्षों से विभाग उत्तम बीज की आशा में गेहूं उगाने की मेहनत कर रहा था कि आवारा सांड ने आदतन पूरी खेती की हजामत कर दी। गनीमत यह रही कि सरकारी खेत का खाया आवारा सांड ने गोबर बना कर उसे ही लौटा दिया, वरना विभाग क्या बेच पाता। विभाग को यह मॉडल पसंद आया। अब विभाग को यह भरोसा है कि भले ही उत्तम बीज न उगा पाए, लेकिन गोबर पैदा करने में उसका योगदान देखा जाएगा। गोबर नवाचार से प्रोत्साहित कृषि, बागबानी, पशुपालन तथा ग्रामीण विकास आदि विभागों ने अपने सारे शोध और विकल्पों से गोबर की पैदावार बढ़ा दी। इस तरह सरकार का पैसा गोबर के रूप में सरकार को वापस मिल जाएगा, यह विचार विमर्श करके कृषि विश्वविद्यालय ने भी गोबर के उत्पादन की हामी भर दी। गोबर खरीद का एक तरह से राष्ट्रीयकरण हो गया। पहली प्राथमिकता सरकारी गोबर को मिली। लक्ष्य बड़ा था, तो कई अन्य विभाग भी इसी अभियान में जुट गए। हर सरकारी स्कूल में घटती छात्रों की संख्या की क्षतिपूर्ति वहां गोबर देती आवारा गउओं ने पूरी कर दी। सरकारी अस्पतालों से मरीज निजी में क्या गए, डाक्टरों ने गायों की देखभाल से गोबर पैदा करना शुरू कर दिया। उधर प्रशासन को प्रशासनिक तौर पर आवारा पशुओं पर एकाधिकार मिल गया। यही वजह है कि अब प्रशासन अपने ब्रांडेड गोबर का धंधा करने लगा। बाकायदा डीसी गोबर, एसडीएम गोबर, पीडब्ल्यूडी गोबर, आईपीएच गोबर ही नहीं, बल्कि आबकारी एवं कराधान जैसे विभाग भी सरकार की आमदनी बढ़ाने के लिए गोबर बेचने लगे। उम्मीद यह थी कि एक दिन नकली शराब की तरह नकली गोबर भी विभाग बेच पाएंगे। सरकार खुश थी कि कुछ तो तरक्की हुई। पहली बार सरकारी क्षेत्र गोबर के मामले में प्राइवेट पर भारी पड़ गया। निजी क्षेत्र ऐसी प्रतियोगिता से सदमे में था कि किस तरह सरकारी होटलों में भी गोबर के लिए जमीन उपलब्ध कराई जा रही है और सरकारी बसें जहां-तहां ब्रेकडाउन करके, आवारा पशुओं को गोबर पैदा करने के लिए ललचा रही हैं। आजादी के बाद सरकारों को मालूम हो गया कि वे गोबर के धंधे में पूरी तरह परफेक्ट हो चुकी हैं।

विचार विमर्श की प्रक्रिया विपक्ष की वजह से लंबी खींची रही

एस. सुनील

संसद का शीतकालीन सत्र एक महीने चला और चार हफ्ते की कार्यवाही के दौरान कोई विधायी कार्य संपूर्ण नहीं हुआ। सरकार ने चार विधेयक जरूर प्रस्तुत किए परंतु एक भी विधेयक दोनों सदनों से स्वीकार होकर कानून बनने के लिए राष्ट्रपति के पास नहीं भेजा गया। विपक्षी पार्टियों ने हर किस्म की नकारात्मकता दिखाई। एक अनावश्यक मुद्दे पर संसद को ठप्प किया। उसके बाद उप राष्ट्रपति व राज्यसभा के सभापति श्री जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया।

देश के नागरिकों ने क्या विपक्ष का चुनाव उसी काम के लिए किया है, जो विपक्षी पार्टियों ने संसद के शीतकालीन सत्र में किया है? यह यक्ष प्रश्न है और इसका जवाब निश्चित रूप से विपक्षी पार्टियों के देना चाहिए। संसदीय लोकतंत्र की यह सुंदरता है कि इसमें मतदाता सिर्फ सरकार नहीं चुनते हैं, बल्कि विपक्ष भी चुनते हैं। उन्होंने तीन चुनाव में पहली बार कांग्रेस को मुख्य विपक्षी दल के तौर पर चुना है। इससे पहले दो चुनावों में देश के मतदाताओं ने कांग्रेस को मुख्य विपक्षी पार्टी बनने लायक जनादेश भी नहीं दिया था। परंतु इस बार उसे मुख्य विपक्षी पार्टी का जनादेश मिला तो क्या वह इसलिए मिला कि श्री राहुल गांधी आधिकारिक रूप से नेता प्रतिपक्ष बनें और अपने 99 सांसदों के दम पर संसद को ठप्प कर दें या संसद के सत्र में अनावश्यक मुद्दे उठाएं और कामकाज बाधित करें या संसदीय परंपराओं को खंडित करें और एक सांसद ने नाते मर्यादा की गिरावट की नई मिसाल बनाएं?

मतदाताओं ने सरकार का बहुमत कम किया और विपक्ष की शक्ति बढ़ाई तो उसका उद्देश्य सरकार को पहले से ज्यादा जवाबदेह बनाने के साथ साथ विपक्ष को भी रचनात्मक भूमिका देने का था। परंतु ऐसा लग रहा है कि विपक्ष ने जनादेश की गलत व्याख्या कर ली। उसको लग रहा है कि जनता ने उसे सरकार को कामकाज नहीं करने देने के लिए पहले से ज्यादा शक्तिशाली बनाया है।

संसद के शीतकालीन सत्र में विपक्षी पार्टियों ने इसी धारणा के साथ काम किया। पहले दिन से विपक्षी सांसदों ने अनावश्यक मुद्दे उठाए और कामकाज नहीं चलने दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सत्र के पहले दिन, 25 नवंबर को विपक्षी पार्टियों से आह्वान किया था कि संसद के सुचारू संचालन में सहयोग करें। संसदीय कार्यमंत्री श्री किरेन रिजीजू ने कहा था कि सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है। परंतु पहले दिन से ऐसा लगा कि मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने संकल्प किया हुआ है कि कार्यवाही नहीं चलने देनी है। उसने पहले दिन से अडानी समूह का मुद्दा उठाया। यह सही है कि अमेरिका की एक अदालत में अडानी समूह से जुड़े आठ लोगों के खिलाफ गंभीर आरोप लगे हैं। परंतु क्या कांग्रेस पार्टी खासतौर से श्री मल्लिकार्जुन खडगे और श्री राहुल गांधी कभी यह सोचते हैं कि हर बार संसद सत्र से ठीक पहले इस तरह के मुद्दे कहां से और क्यों आ जाते हैं?

पूरे वर्ष में संसद के सिर्फ तीन सत्र होते हैं। अधिकतम चार महीने संसद की कार्यवाही चलती है। परंतु हर बार उससे पहले कोई न कोई विदेशी मीडिया या रिसर्च संस्थान या कोई गैर सरकारी संगठन भारत को लेकर कथित खुलासा कर देता है और उसके बाद विपक्षी पार्टियां उसके आधार पर हंगामा करके संसद नहीं चलने देती हैं। विपक्ष को निश्चित रूप से यह सोचना चाहिए कि हर बार सत्र से पहले क्यों हिंडनबर्ग या पेगासस या ओसीसीआरपी या मीडियापार्ट की खबरें आती हैं? और उसके आधार पर संसद नहीं चलने या पक्ष और विपक्ष में टकराव बढने से किसका फायदा होता है और किसको नुकसान होता है?

संसद का शीतकालीन सत्र एक महीने चला और चार हफ्ते की कार्यवाही के दौरान कोई विधायी कार्य संपूर्ण नहीं हुआ। सरकार ने चार विधेयक जरूर प्रस्तुत किए परंतु एक भी विधेयक दोनों सदनों से स्वीकार होकर कानून बनने के लिए राष्ट्रपति के पास नहीं भेजा गया। विपक्षी पार्टियों ने हर किस्म की नकारात्मकता दिखाई। एक अनावश्यक मुद्दे पर संसद को ठप्प किया। उसके बाद उप राष्ट्रपति व राज्यसभा के सभापति श्री जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। यह पहली बार हुआ कि विपक्ष ने लगातार दो सत्रों में सभापति के खिलाफ इस तरह से अविश्वास प्रस्ताव का प्रयास किया। हालांकि सत्र के अंतिम दिन उप सभापति श्री हरिवंश ने विपक्ष को नोटिस को नामंजूर कर दिया। लेकिन विपक्ष ने दिखा दिया कि वह टकराव बढ़ाने के लिए किस हद तक जाने को तैयार है। रचनात्मक भूमिका निभाने और संसदीय कार्यवाही में सकारात्मक योगदान देने की बजाय विपक्ष की यह नकारात्मकता उसको खुद को तो नुकसान पहुंचा ही रही है अंततः देश को भी नुकसान पहुंचा रही है।

विपक्ष ने संसद को एक तरह से राजनीतिक उद्देश्य पूरा करने के लिए लड़ाई का मैदान बना दिया है। इसे शीतकालीन सत्र के अंतिम तीन दिन की कार्यवाही से समझा जा सकता है। राज्यसभा में संविधान पर दो दिन की चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार, 17 दिसंबर को केंद्रीय गृह मंत्री श्री अतिम शाह ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के प्रति उमड़े विपक्ष के नए नए प्रेम पर तंज किया और कहा कि, %अभी एक नया फैशन हो गया है अंबेडकर, अंबेडकरज् इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता'।

अंत में यूपी बीजेपी की डूबती नैया को उबार ले गये योगी

अजय कुमार

2024 भी इतिहास के पन्नों में सिमट रहा है। यूपी के लिये बीता साल काफी यादगार रहा। सबसे खास बात यही थी कि पांच सौ साल के वनवास के बाद अयोध्या में रामलला अपने मंदिर में विराजमान हो गये। जिसका श्रेय मोदी सरकार को दिया जाता है, लेकिन इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि अयोध्या में रामलाल का भव्य मंदिर बनने के कुछ माह बाद हुए लोकसभा चुनाव में बीजेपी को बुरी तरह से हार का सामना भी करना पड़ा। यहां तक की अयोध्या की लोकसभा सीट भी बीजेपी हार गई, जिसका गम उसे आज भी सताता है। अयोध्या की हार को लेकर विपक्ष बीजेपी को अक्सर तानें मारता रहता है। इस साल हुए आम चुनाव के बाद प्रदेश में भाजपा के सासंदों की संख्या 62 से घटकर 33 पर आ गई इसमें उसके सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल की दो एवं अपना दल एक सीट को भी मिला दिया जाये तो भी यह आकड़ा 36 पर ही पहुंच पाता है, जबकि इंडिया गठबंधन 43 सीटों पर जीत हासिल करने में सफल रहा। इसमें से सपा की 37 और कांग्रेस की 6 सीटें थी।सपा और कांग्रेस दोनों की जीत का ग्राफ बढ़ा था,लेकिन सबसे बुरा हाल बहुजन समाज पार्टी का रहा जो एक भी सीट नहीं जीत पाई थी।

खैर, यूपी के दम पर दिल्ली में मजबूती के साथ पैर जमाये बीजेपी का 2024 के आम चुनाव के नतीजों के बाद वर्चस्व कमजोर पड़ गया तो यूपी बीजेपी का भी राष्ट्रीय राजनीति में ओहदा कम हो गया। यही नहीं वाराणसी से दो बार रिकार्ड मतों से जीत कर सांसद बनने वाले पीएम नरेंद्र मोदी का तीसरी बार के चुनाव में जीत का अंतर भी काफी कम हो गया। मोदी को केन्द्र में पहली बार ऐसे गठबंधन की सरकार बनानी पड़ी, जिसमें भाजपा के पास पूर्ण बहुमत नहीं है।यही वजह थी कि लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद महीनों तक समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस के नेता बीजेपी और मोदी-योगी सरकार पर हमलावर रहे। साल 2024 को भाजपा के विजय रथ पर ब्रेक और सांसदों की दृष्टि से प्रदेश में 10 साल के बाद भाजपा को दूसरे नंबर की पार्टी बना देने वाले साल के तौर याद किया जाएगा। वैसे इस हार की वजह को कुछ लोग बीजेपी की भीतरी कहल से भी जोड़कर देख रहे हैं।

हालांकि, साल खत्म होते-होते वोटरों ने कुछ हद तक बीजेपी के आंसू जरूर पोछ दिये। भाजपा गठबंधन ने विधानसभा उपचुनाव की नौ में से सात सीटें जीतकर लोकसभा चुनाव के बुरे अनुभव को काफी हद तक कम कर लिया। भाजपा के लिए 2024 की शुरुआत उम्मीदों के साथ हुई थी। लोकसभा चुनाव की गूंज के बीच रामलला की जन्मस्थान पर प्राण-प्रतिष्ठा हुई। इसके मुख्य यजमान देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने। स्वतंत्र भारत में पहली बार किसी प्रधानमंत्री ने देश के बहुसंख्यकों की भावनाओं के सम्मान का सार्वजनिक शंखनाद किया। रामलला के मंदिर निर्माण में मोदी के साथ-साथ योगी आदित्यनाथ ने भी काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कदम अभूतपूर्व था, इसलिए इसे सोमनाथ की पुनर्प्रतिष्ठा पर पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की आपत्तियों को याद करके समझा जा सकता है। तब पंडित नेहरू ने कार्यक्रम में जाने से मना कर दिया था। साथ ही राष्ट्रपति को भी रोकने की कोशिश की थी। हालांकि, राष्ट्रपति कार्यक्रम में गए,लेकिन वह वहां राष्ट्रपति की हैसियत से नहीं एक भक्त की हैसियत से पहुंचे थे ऐसे में मोदी का पीएम के तौर पर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में मुख्य यजमान बनना युगांतकारी कदम था।मोदी के इस कदम से ऐसा माहौल बना, जिससे लगा कि मोदी का लोकसभा चुनाव में 400 पार का नारा हकीकत में बदलेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। प्रदेश में भाजपा की सीटें ही नहीं घटीं, बल्कि फैजाबाद (अयोध्या) सीट भी भाजपा हार गई। यह भाजपा के लिए बड़ा झटका था। उपचुनाव में विधानसभा की नी सीटों में से सात जीतकर भाजपा ने इसी साल उस झटके के दर्द को कम जरूर कर लिया। बहरहाल, यूपी की नौ विधान सभा सीटों पर हुए उपचुनाव में बीजेपी को मिली बड़ी जीत का श्रेय प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ और कार्यकर्ताओं के साथ उनके सीधे संवाद को दिया। सीएम ने उपचुनावों को चुनौती के रूप रूप में लिया। सारी सीटों के लिए खुद व्यूह रचना की। अगर कहा जाए कि 2024 में जाते-जाते उपचुनाव के नतीजों के जरिये योगी के प्रशासनिक कौशल के साथ संगठनात्मक कौशल का भी प्रमाण दे दिया है ती अतिश्योक्ति नहीं होगी। वैसे खास बात यह भी थी कि लोकसभा चुनाव से इत्तर उप चुनाव में आरएसएस भी पूरी तरह से सक्रिय रहा था। संगठनात्मक दृष्टि से भाजपा के 2024 का लेखा-जोखा रखा जाए तो कोई बड़ा उल्लेखनीय पक्ष नहीं दिखता। हां, उप चुनाव के नतीजे आने के बाद योगी का कद जरूर बढ़ गया है।वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव में जो पाया था उसे उप चुनाव में खो दिया। वहीं बसपा पूरे साल उतार की ओर ही नजर आती रही।

मांगलिक कार्यों में उपयोगी आम के पत्ते

सनातन धर्म में आम के पत्ते को बेहद शुभ माना जाता है। इस पेड़ की पत्तियों से लेकर लकड़ियों तक का इस्तेमाल मांगलिक कार्यों में किया जाता है। आम के पत्ते के बिना पूजा पूर्ण नहीं मानी जाती है। आम के पत्तों के उपाय से वास्तु दोष से छुटकारा मिलता है और सुख समृद्धि मिलती है। वास्तु शास्त्र में आम के पत्तियों के कई उपाय बताए गए हैं, जिनको करने से इंसान जीवन की सभी परेशानियों से छुटकारा पा सकता है। चलिए जानते हैं आम के पत्ते के उपाय के जरिए किस प्रकार की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

आम के पत्ते के उपाय

❖अगर आप लंबे समय से कर्ज की परेशानी का सामना कर रहे हैं, तो 11 आम के पत्तों को लेकर कच्चे सूते में बांध लें और इसे शहद में डुबो दें। इसके बाद इन पत्तों को शिवलिंग के अशोक सुंदरी पर चढ़ाएं। मान्यता है कि इस उपाय को करने से कर्ज की समस्या से छुटकारा मिलता है।

❖आम के पत्ते को मांगलिक कार्यों के लिए शुभ माना गया है। आम के पत्तों को घर के मुख्य दरवाजे पर लटकाने से परिवार को बुरी नजर नहीं लगती है। इसके अलावा घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास भी नहीं होता है, जिसकी वजह से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

❖पूजा के समय आम के पत्तों से घर में जल का छिड़काव करें। मान्यता है ऐसा करने से इंसान को आर्थिक लाभ मिलता है।

❖अगर आपके जीवन में किसी तरह की समस्या आ रही है, तो आम के पेड़ की जड़ों में जल दें और इसके बाद पेड़ को प्रणाम करें। इस उपाय को करने से जीवन में आने वाली समस्याएं खत्म हो जाती है और जल्द ही सफलता के मार्ग खुलते हैं।

❖भगवान हनुमान जी को आम बेहद प्रिय है। आम के पत्ते पर चंदन से जय श्री राम लिखें और उसे हनुमान जी को अर्पित कर दें। मान्यता है कि ऐसा करने से सदैव हनुमान जी की कृपा बनी रहती है।

शिव पुराण में शिवजी की लीलाओं का वर्णन

सभी पुराणों में शिव पुराण सर्वाधिक महत्व रखता है। इसमें शिवजी के विविध रूप, अवतार, ज्योतिर्लिंग, भक्त-भक्ति का विस्तृत विवरण मिलता है। बता दें कि हिंदू धर्म के 18 पुराणों में शिव पुराण सबसे अधिक पढ़ा जाने वाला पुराण है। शिव पुराण में शिवजी के रूपों, लीलाओं और कथाओं का वर्णन किया गया है। कथाओं के माध्यम से इसमें शिवजी की महिमा का उल्लेख किया गया है। धार्मिक मान्यता है कि, जो व्यक्ति शिव पुराण की कथा को पढ़ता या सुनता है उसके समस्त दुख दूर होते हैं परिवार पर शिवजी का आशीर्वाद बना रहता है। शिव पुराण का पाठ करने के कई लाभ होने के साथ ही इसके कुछ जरूरी नियम भी है, जिसे जानना जरूरी है।

शिव पुराण के लाभ

संतानहीन लोगों को संतान प्राप्ति के लिए शिव पुराण की कथा जरूर पढ़नी चाहिए।
ऐसे साधक जो गंभीर रोगों से ग्रस्त हैं, उन्हें भी इसका पाठ करना चाहिए या श्रवण करना चाहिए।
शिव पुराण की कथा पढ़ने या सुनने से साधक को शिवलोक में स्थान प्राप्त होता है।
शिव पुराण में ऐसा कहा गया है कि शिव पुराण को महज सुनने मात्र से ही व्यक्ति के समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं।

शिव पुराण के नियम

शिव पुराण की कथा पढ़ने या सुनने से पहले शिवजी का ध्यान करते हुए संकल्प लेना चाहिए। इसके बाद पूरे भक्ति-भाव से कथा सुनें, तभी इसका पूर्ण लाभ मिलता है।
जो व्यक्ति पाठ का संकल्प लेता है, उसे केवल एक समय सात्विक भोजन करना चाहिए और ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।
शिव पुराण की कथा में अपने सगे-संबंधियों को जरूर आमंत्रित करें। इस बात का भी ध्यान रखें कि शिवपुराण की कथा निराहार रहकर ही पढ़ें या सुनें।

बच्चों को कराएं ये योगासन

आजकल बच्चों का ध्यान बहुत जल्दी भटक जाता है। इसकी एक बड़ी वजह उनके आस-पास मौजूद गैजेट्स जैसे - मोबाइल फोन, टैबलेट, टीवी आदि हैं। ये चीजें बच्चों का ध्यान बहुत आसानी से खींच लेती हैं। इन डिवाइसिस की चमक और रंगीन दुनिया बच्चों को तुरंत आकर्षित कर लेती है। वे घंटो इन पर खेलते रहते हैं और इससे उनका मन पढ़ाई से हटने लगता है। या पढ़ाई में नहीं लगता है। यह एक आम परेशानी है हर माता-पिता के लिए की उनके बच्चों को मन पढाई में नहीं लगता है या फिर घंटो पढ़ने के बाद भी उनका ध्यान पढ़ाई पर केंद्रित नहीं हो पा रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रोजाना के योगाभ्यास से भी बच्चों की ऐसी समस्याओं को दूर किया जा सकता है?

सूर्य नमस्कार: सूर्य नमस्कार एक बहुत ही लाभदायक योग आसन है,जो बच्चों को पढ़ाई के लिए तैयार कर सकता है। यह आसन सूर्य को नमन करने की मुद्रा में किया जाता है। इसे करने से हमारी रीढ़ की हड्डी लचीली बनती है और शरीर में रक्त संचार बढ़ता है। बच्चों को यह आसन दिमागी और शारीरिक रूप से ताजा महसूस कराता है। इससे उनका एकाग्रता बेहतर होता है और वे आराम से पढ़ सकते हैं। इसे रोजाना करने से बच्चों को पढ़ाई में मन लगेगा।

मंदुकासन: मंदुकासन एक ऐसा योग आसन है जो बच्चों की एकाग्रता और ध्यान को बढ़ाने में मदद करता है। इस आसन में हम घुटनों के बल बैठते हैं और हाथों को मुद्रा में रखते हैं। यह एक तरह की ध्यान की मुद्रा होती है। इस आसन से बच्चों का मन शांत होता है। यह उन्हें विचलित करने वाले विचारों को दूर रखने में मदद करता है। नियमित रूप से मंदुकासन करवाने से बच्चों की ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है।

पवनमुक्तासन: यह एक ऐसा योग आसन है,जो बच्चों के शारीरिक और मानसिक तनाव को कम करने में मदद करता है। इसे करने के लिए हम पीठ के बल लेट जाते हैं और पैरों को 90 डिग्री के कोण पर फैला देते हैं। यह आराम देने वाला आसन बच्चों की नींद ठीक करता है और उन्हें ताजा महसूस कराता है।

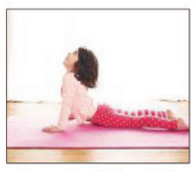

भुजंगासन: भुजंगासन एक प्रकार का विश्राम आसन है,जिसे सीखना बच्चों के लिए बेहद आसान होता है। इस आसन में हम पेट के बल लेटकर हाथ-पैरों को मोड़ते हैं, जैसे सांप की तरह। यह आसन बच्चों की याददाश्त बढ़ाने में मदद करता है,क्योंकि इससे दिमाग में रक्त संचार बढ़ता है। भुजंगासन से बच्चे आसानी से पढ़ी हुई चीजें याद रख पाते हैं और परीक्षाओं की तैयारी में मदद मिलती है।

वृक्षासन: वृक्षासन एक खड़ा आसन है,जिसे करने के लिए हम एक पैर पर खड़े होकर दूसरे पैर को घुटने से मोड़कर अंदर की तरफ लाते हैं। हाथ ऊपर की ओर जोड़ दिए जाते हैं। यह आसन बच्चों का संतुलन और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को बढ़ाता है। एक पैर पर खड़े होने से बच्चे अपना बेहतर नियंत्रण सीखते हैं। इससे उनकी एकाग्रता बढ़ती है और वे बिना भटके पढ़ पाते हैं।

संवेदनशील पार्टनर

हर व्यक्ति, उसके विचार, उसकी भावनाएं अलग होती हैं और इन्हें व्यक्त करने का तरीका भी अलग हो सकता है। कुछ लोग चीजों को गंभीरता से लेते हैं जबकि दूसरे उसी चीज को हल्के में लेते हैं। यह आवश्यक नहीं है कि आपका साथी भी वैसे ही सोचता हो जैसा कि आप सोचते हैं। उसे किसी भी भावना के लिए आपके लिए भी अलग तरीके से या जल्दी प्रतिक्रिया आ सकती है। यह संभावना है कि वह किसी कुछ चीजों और परिस्थितियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकता है।

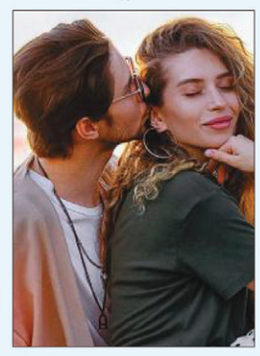

❖ इस परिस्थिति में आप क्या करें? उसके व्यवहार पर गुस्सा करते हैं ? या आप इसे नजरअंदाज करते हैं? या फिर आप उससे दूर रहने लगते हैं? अगर आप इस तरह के व्यवहार करते हैं तो आप अपने रिश्ते को बिगाड़ रहे हैं। आपको समझना होगा कि आपका साथी आपकी आवश्यकता है। उसे समझने का प्रयास करें और उसे परिस्थिति का सामना करने में मदद करें।

❖हर व्यक्ति अलग होता है। वह कैसे चीजें और घटनाएं जो उसके चारों ओर हो रही हैं उसको नोटिस करता है और उनपर प्रतिक्रिया व्यक्त करता है, यह उसकी संवेदनशीलता को दर्शाता है। हर व्यक्ति की संवेदनशीलता स्तर अलग हो सकता है। इसमें भावनात्मक और शारीरिक संवेदनशीलता शामिल हो सकती है। बचपन या जावानी के दौरान हुई कुछ घटनाएं भी दिमाग पर असर डाल सकती हैं।

❖सब कुछ बोलकर स्पष्ट करना आवश्यक नहीं है। समस्या को समझने के लिए आपको अपने साथी को समझने की कोशिश करनी होगी। आपका साथी इमोशनल है, तो उसे निर्णय करने की बजाय उसे समझने की कोशिश करें। वे आपके व्यवहार का कैसे प्रतिक्रिया करते हैं? एक पार्टनर किस प्रकार के चीजों पर इमोशनल हो सकता है? इन बातों को समझने की कोशिश करें।

❖संभावना है कि आपके इमोशनल साथी का व्यवहार आपको गुस्सा दिला सकता है। आपको शायद उसके रोने और चिल्लाने से पसंद नहीं आता हो। यह आवश्यक नहीं है कि वह हमेशा आपके अनुसार व्यवहार करें। आपको शांति बनाए रखनी चाहिए। उसे शांत करने के लिए उस पर चिल्लाना या गुस्सा करना काम नहीं करेगा। आपको यह समझना होगा कि जल्दी इमोशनल हो जाना उसकी आदत है, जिसे वह चाहे तो रोक नहीं सकता।

❖हमारी भावनाएं शब्दों के माध्यम से सामने आती हैं। इस परिस्थिति में अगर आपका इमोशनल साथी आपसे कुछ कह रहा है, तो उन्हें सुनें, समझें और उन्हें समय दें। उन्हें यह महसूस कराएं कि उनके शब्द आपके लिए मायने रखते हैं। इस प्रक्रिया में यह संभावना है कि वह आपको अपनी सबसे गहराई से बातें बताएं और आप उनके असंतुष्टि का कारण जान सकते हैं।

तेजपत्ता के फायदे

तेजपत्ता एक ऐसी जड़ी-बूटी है जो हमारी रसोई में आसानी से उपलब्ध हो जाती है। इसके कई जबरदस्त फायदे हैं, जो हमारी हेल्थ के लिए बहुत ही लाभदायक हैं। क्या आप जानते हैं कि तेजपत्ता, जिसे अक्सर हमारी रसोई में मसाले के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, वह आपके स्वास्थ्य के लिए कितना लाभकारी हो सकता है? सुबह-सुबह उबाले गए तेजपत्ते का पानी पीने से आपको कई अद्भुत स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। यह सिर्फ एक पारंपरिक नुस्खा नहीं, बल्कि वैज्ञानिक शोधों द्वारा भी समर्थित एक स्वास्थ्यवर्धक प्रक्रिया है। तेजपत्ते को पानी में उबालकर पीने से वजन घटाने में मदद मिलती है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। सुबह-सुबह तेजपत्ता का पानी पीने से पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है। यह हमारे रक्तचाप को कंट्रोल में रखने में भी सहायक है।

तेजपत्ता का पानी कैसे बनाएं

सबसे पहले ताजे तेजपत्ते की कुछ पत्तियां लें। इन पत्तियों को अच्छे से धो लें। एक ग्लास पानी लेकर उबाल लाएं। जब पानी उबल जाए तो इसमें तेजपत्ते की कुछ पत्तियां डाल दें। 5 से 10 मिनट तक इन्हें पानी में उबालें। इसके बाद गैस बंद करके पानी को थोड़ा ठंडा होने दें। अब इस पानी को छान कर एक कप में निकाल लें और गर्मागर्म पी जाएं। आप चाहें तो इसमें थोड़ा सा अदरक या नींबू का रस मिला सकते हैं।

जानें इसके फायदे

❖तेजपत्ते का पानी वजन कम करने की प्रक्रिया में मदद करता है। यह हमारी भूख को कम करता है और शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है।
❖एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है,जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। एंटीऑक्सीडेंट, फ्री रेडिकल्स नामक हानिकारक तत्वों से लड़ते हैं जो कई बीमारियों के कारण बनते हैं।
❖तेजपत्ता के पानी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट हमारी कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं।
❖पेट से जुड़ी समस्याओं जैसे - कब्ज, अपच को दूर करने में मदद करता है।
❖शरीर में ऊर्जा लाता है और थकान दूर करता है।
❖ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है।
❖तेजपत्ते में विटामिन सी की भरपूर मात्रा पाई जाती है। विटामिन सी हमारी सेहत के लिए बहुत ही जरूरी होता है। यह फेफड़ों और हृदय रोगों से लड़ने में भी सक्षम होता है।

बालों और त्वचा के लिए वरदान है राइस वॉटर

हेल्दी और ग्लोइंग त्वचा पाना हम सभी का ख्वाब होता है। हमारी स्किन पर एक स्पॉट भी नजर आ जाता है, तो हम काफी परेशान होने लगते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि कई ऐसे नुस्खे हैं, जिनकी मदद से आप भी बेदाग और ग्लोइंग स्किन पा सकती हैं। जापान में स्किन केयर के लिए एक बेहद ही खास चीज का इस्तेमाल किया जाता है, जो आसानी से आपको भी आपके घर में मिल जाएगा। हम बात कर रहे हैं, राइस वॉटर की। राइस वॉटर का इस्तेमाल त्वचा और बालों के लिए कई सालों से होता आ रहा है। कोरियन स्किन केयर, जो ब्यूटी वर्ल्ड में सेंसेशन बन चुका है, में भी राइस वॉटर का खूब इस्तेमाल किया जाता है। इससे ये बात जाहिर हो जाती है कि राइस वॉटर स्किन और बालों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है, लेकिन इसके क्या फायदे हो सकते हैं। आइए जानते हैं, राइस वॉटर के इस्तेमाल से होने वाले लाभ।

इवन स्किन टोन: राइस वॉटर का इस्तेमाल कई बड़ी-बड़ी स्किन केयर कंपनियां भी अपने प्रोडक्ट्स में कर रही हैं। इसकी एक सबसे बड़ी वजह है कि यह स्किन टोन को सुधारने में मदद करता है। अनइवन स्किन टोन की वजह से हमारे चेहरा ग्लोइंग नहीं लगता। राइस वॉटर स्किन को ब्राइट कर, स्किन टोन इवन करने में मदद करता है।

एंटी-एजिंग: राइस वॉटर में स्टारच पाया जाता है, जो स्किन के बैरियर को मजबूत बनाने में मदद करता है। इससे स्किन अपनी इलास्टिसिटी नहीं खोती और एंजिग के लक्षण, जैसे- झुर्रियां, फाइन लाइन्स, डार्क स्पॉट्स आदि काफी कम नजर आते हैं। इसलिए राइस वॉटर के इस्तेमाल से स्किन बैरियर रिपेयर होती है।

ब्राइट स्किन: राइस वॉटर का त्वचा पर इस्तेमाल करने से हमारे डेड सेल्स रिमूव होते हैं, जिस वजह से हमारी स्किन ब्राइट होती है। दरअसल, स्किन पर डेड सेल्स इकट्ठा होने की वजह से हमारी त्वचा काफी डल नजर आने लगती है। इसलिए डेड स्किन सेल्स को रिमूव करना काफी जरूरी होता है। राइस वॉटर इसमें मदद कर, स्किन को ब्राइट बनाता है।

सन डैमेज से बचाव: राइस वॉटर एंटी-ऑक्सिडेंट प्रॉपर्टीज से भरपूर होता है। इसलिए इसके इस्तेमाल से सन डैमेज से रक्षा मिलती है। यह इंपलेमेशन, रेडनेस और इचिंग को भी कम करने में मदद करता है।

हेयर डैमेज: रूखे, बेजान और डैमेज बालों के लिए राइस वॉटर काफी फायदेमंद होता है। इसके इस्तेमाल से आपके बालों को डैमेज रिपेयर करने में मदद मिलती है। इसके इस्तेमाल से डैंड्रफ से भी छुटकारा पाने में मदद मिलती है। इसलिए राइस वॉटर का इस्तेमाल बालों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।

हार्ट बर्न प्रॉब्लम के लक्षण

एसिड रिफ्लक्स पाचन से जुड़ी एक सामान्य समस्या है, जो कभी न कभी परेशान करता है। इसकी वजह से कई बार असहज भी होना पड़ता है। वैसे तो यह समस्या सामान्य घरेलू उपायों से ही ठीक हो जाती है,लेकिन अगर समस्या ज्यादा बने तो सावधान हो जाना चाहिए। दरअसल, एसिड रिफ्लक्स के साथ हार्ट बर्न की समस्या आम होती है। एसिड रिफ्लक्स गैस्ट्रोओसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज की वजह भी बन सकती है। ऐसे लोग जिन्हें आए दिन एसिड रिफ्लक्स की प्रॉब्लम्स होती है, उनमें GERD बीमारी का खतरा ज्यादा देखने को मिलता है। ऐसे में चलिए जानते हैं उन उपायों के बारे में जो आराम दिला सकते हैं।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक हार्टबर्न और जीईआरडी दोनों ही काफी आम समस्याएं हैं। करीब 20% लोगों में गैस्ट्रोओसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज का खतरा हो सकता है। एसिड रिफ्लक्स की वजह से कई लोगों की चेस्ट में हल्की परेशानी या निगलने में कठिनाई हो सकती है। अगर शुरुआत में ही कुछ आसान उपाय अपना लिए जाए तो इसके खतरे को कम कर सकते हैं। अगर घरेलू उपाय से आराम नहीं मिलता है तो तुरंत डॉक्टर से मिलना चाहिए।

खाने में फाइबर बढ़ाएं, एसिड फूड प्रोडक्ट्स घटाएं

एसिड रिफ्लक्स की समस्या खानपान में गड़बड़ी की वजह से होती है, इसलिए आहार में सुधार करनी चाहिए। ज्यादा खाने से भी बचना चाहिए। खाने में हाई फाइबर वाले फूड्स एसिड रिफ्लक्स के लक्षणों से बचाने में मदद कर सकते हैं। साबुत अनाज, गाजर और चुकंदर जैसी जड़ वाली सब्जियां और ब्रोकली खाने में जरूर शामिल करना चाहिए। अम्लीय खाद्य पदार्थ, हार्टबर्न को बढ़ाने का काम कर सकते हैं, इसलिए इनसे परहेज करना चाहिए। खट्टे फलों का जूस, टोमैटो सॉस, तला हुआ खाना, कैफीन, लहसुन और प्याज कम से कम लेना चाहिए।

शराब से दूरी बनाएं

कई अध्ययनों में पाया गया है कि शराब पीने से पेट में एसिड बढ़ सकता है। ये एसिड रिफ्लक्स के लक्षण बढ़ा सकती है। इसलिए शराब से बचना चाहिए। शराब एसिड रिफ्लक्स बढ़ाने के साथ ही लिवर को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। शराब पीने से पाचन से जुड़ी कई और बीमारियां बढ़ सकती हैं।

रात में खाने का समय बदलें

एसिड रिफ्लक्स की वजह से होने वाली समस्याओं से बचना है तो रात में खाने यानी डिनर का समय बदल लें। सोने से कम से कम तीन घंटे पहले खाना खा लें। कई अध्ययनों में पाया गया है कि सोने से कुछ देर पहले डिनर करने वालों में जीईआरडी की प्रॉब्लम्स ज्यादा देखने को मिलती है। खाने के कुछ देर बाद टहलने की आदत बनाना चाहिए।

सफर में उल्टी से बचने के टिप्स

बस या कार से ट्रैवल करते वक्त अक्सर लोगों का जी मचलाता है। बता दें, ये मोशन सिकनेस की वजह से होता है। अगर इसे ट्रीट करने के तरीकों की ओर ध्यान न दिया जाए तो आपके साथ-साथ आपके ट्रैवल पार्टनर्स का भी सफर खराब हो सकता है। चूंकि कुछ लोग ऐसे होते हैं जिन्हें किसी दूसरे शख्स को उल्टी करता देख ही उल्टी आ जाती है। घूमने फिरने का शौक अगर आप भी रखते हैं लेकिन सफर के दौरान होने वाली उल्टी से डरते हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए ही है। यहां हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे जो आपको बेचैनी, उल्टी और जी मचलाने जैसी तकलीफों से बचाएंगे, साथ ही आपके सफर को मजेदार भी बनाएंगे।

❖सफर में अपने साथ अनारदाना, हींग पाचक या गैस का चूर्ण रखना न भूलें। जब उंचे पहाड़ों पर जी मचलाता है तो ये चीजें टेस्ट चेंज कर राहत देती हैं।

❖नींबू पानी या कोई सोडा भी आप अपने साथ कैरी कर सकते हैं। ये आपके मूड को फ्रेश बनाने में मदद करेगा और इससे जी मचलना भी बंद होगा।

❖ट्रैवल करते वक्त काला नमक भी साथ रखना चाहिए। जी घबराने पर इसे पानी में नींबू के साथ मिलाकर पीने से उल्टी और मोशन सिकनेस से राहत मिलती है।

❖अगर आपको सफर के दौरान उल्टी की समस्या रहती है,तो ज्यादा देर खिड़की से बाहर देखने से परहेज करें। इससे मांइड को कुछ सिग्नल्स मिलने लगते हैं जो सेंट्रल नर्वस सिस्टम को कंफ्यूज करने के बाद उल्टी की वजह बनते हैं।

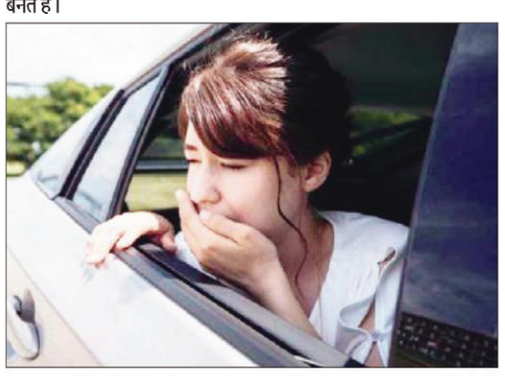

❖ध्यान रहे कि ट्रैवल करते वक्त लाइट फूड ही खांए। ज्यादा खाना खाने से भी आपको उल्टी की शिकायत हो सकती है। आप टेस्ट को ताजा बनाए रखने के लिए फ्रूट्स का सेवन भी कर सकती हैं।

❖अगर कार या बस से ट्रैवल कर रहे हैं तो पीछे की सीट पर न बैठें,क्योंकि इन पर ज्यादा घुमाव और झटके लग सकते हैं।

❖दूरी लंबी है तो रुक-रुक कर सफर करने की कोशिश करें। साथ ही, मोबाइल या लैपटॉप का ज्यादा इस्तेमाल न करें।

❖बिना खाए सफर करना भी गलत है इससे भी मोशन सिकनेस पैदा होती है।

ज्यादा नमक खाना सेहत के लिए नुकसानदायक

खाने में अगर नमक हद से ज्यादा पड़ जाए तो पूरे खाने का स्वाद बिगड़ जाएगा। ठीक उसी तरह अगर आप हद से ज्यादा नमक खाएंगे तो वह आपके शरीर के लिए काफी ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है। नमक हमारे शरीर के लिए जरूरी है खासकर लिवर, दिल और थायराइड ठीक से काम करें इसके लिए नमक जरूरी है,लेकिन हद से ज्यादा नमक सेहत को कई तरह से नुकसान पहुंचा सकता है। इतना ही नहीं जो लोग सलाद, फल या खाने के ऊपर से नमक खाते हैं उन्हें बीपी और हार्ट अटैक का जोखिम बढ़ता है। नमक का ज्यादा इस्तेमाल कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। आज आपको बताते हैं ज्यादा नमक खाने से कौन सी बीमारियां हो सकती है?

स्किन की बीमारी: ज्यादा नमक खाने से स्किन संबंधी बीमारी हो सकती है। शरीर पर खुजली की समस्या बढ़ सकती है। साथ ही साथ शरीर में जलन, खराश, त्वचा पर लाल चकते का कारण बन सकता है।

बालों का झड़ना: अगर आपके जरूरत से ज्यादा बाल झड़ते हैं,तो हो सकता है कि आपके शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ गई है। ज्यादा नमक खाने से शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ती है। इससे बालों के जड़ भी कमजोर होते हैं।

हड्डियां होती हैं कमजोर: ज्यादा नमक खाने से शरीर में मौजूद कैल्शियम घटने लगता है। जिसके कारण हड्डियां कमजोर होने लगती है। यही आगे चलकर ऑस्टियोपोरोसिस का कारण भी बनती है।

किडनी की बीमारी: ज्यादा नमक खाने से शरीर का पानी यूरिन और पसीने के जरिए निकलने लगता है। किडनी को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है,जिसके कारण किडनी की बीमारी भी होने लगती है।

बीपी: ज्यादा नमक खाने से बीपी की समस्या बढ़ती है। अगर आप बीपी के मरीज हैं तो तुरंत खाने में ज्यादा नमक खाना बंद कर दें। हाई बीपी में दिल से जुड़ी बीमारी होने लगती है।

हार्ट अटैक: ज्यादा नमक खाने से हार्ट अटैक का जोखिम बढ़ता है।

संक्षिप्त समाचार

कौही में गुरु घासीदास जयंती धूमधाम से मनाया गया

पाटन (समय दर्शन)। बाबा गुरु घासीदास की 268वीं जयंती ग्राम कौही में धूमधाम से मनाई गई।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अशोक साहू उपाध्यक्ष ज़िप दुर्ग थे, अध्यक्षता रमन टिकरिहा सभापति जप ने की,विशेष अतिथि मनोरमा टिकरिहा सरपंच,राजेंद्र मारकंडे शिक्षा दूत,धनेश्वर देवांगन उपसरपंच,मेहतर जोशी अध्यक्ष ग्राम विकास ने बाबा गुरु गद्दी,जैतखाम की आरती पूजा कर ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों की सुख, समृद्धि, शांति, खुशहाली की मंगलकामना किए। इस अवसर पर रामसाय मारकंडे, हेमू सोनकर ,तिलोचन साहू, सुरेश ठाकुर, खेलन जोशी, गोलू मार्कण्डेय, गंगाराम साहू,राजेंद्र जोशी,डोमेंद्र मारकंडे, उद्धव मारकंडे, बीरेंद्र मारकंडे, रामकिसुन मारकंडे, अनीता सोनकर, राधा साहू, गंगा साहू, पिंकी निषाद, अश्वनी निषाद सतनामी समाज सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

जय सतनाम सेवा समिति भाठागांव ने मनाई बाबा गुरु घासीदास की जयंती, कांग्रेस नेता रजत शर्मा बतौर मुख्यातिथि शामिल हुए

पाटन (समय दर्शन)। जय सतनाम सेवा समिति भाठागांव द्वारा बाबा गुरुघासी दास जी की जयंती समारोह तथा मड़ाई मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांग्रेस नेता रजत शर्मा थे। विशेष रूप से जिला पंचायत सदस्य मोनू साहू, जनपद सदस्य उत्तरा सोनवानी, जिला पंचायत सदस्य हर्षा चंद्राकर, सरपंच नारधी ललित सिन्हा, खिलावन वर्मा, युवा कांग्रेस अध्यक्ष पाटन सुमित चंद्राकर, ब्लॉक कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ अध्यक्ष संजय यदु, इंटक कांग्रेस नेता धर्मेंद्र साहू मौजूद थे। अतिथियों का स्वागत सत्य ज्योति पंथी पार्टी के अध्यक्ष लीला दास चतुर्वेदी सहित ग्रामीणों ने किया। बाबा गुरु घासी दास जी की पूजा अर्चना के बाद पंथी नृत्य का प्रदर्शन सत्य ज्योति पंथी पार्टी के सदस्यों ने दी। रात्रि में छग सांस्कृतिक कार्यक्रम सुरमोहनी की प्रस्तुति दी गई। इस असवर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

गुरु घासीदास जी समाज को समानता, भाईचारे और सामाजिक समरसता की दिशा में प्रेरित करता है सोनू साहू

साजा (समय दर्शन)। प्रति वर्ष की भांति अपने गृह ग्राम मजगाँव में गुरु घासीदास जयंती समारोह में युवा नेता दाऊ सोनू साहू शामिल हुए। और सतनामी समाज के वरिष्ठजनों के साथ गुरु घासीदास व जैतखाम की पूजा-अर्चना कर समस्त ग्राम वासियों की खुशहाली व समृद्धि की कामना किया। सोनू दाऊ ने बताया कि बाबा गुरु घासीदास जी ने फ़मनखे-मनखे एक समानफ़ का जो संदेश दिया, वह समाज को समानता, भाईचारे और सामाजिक समरसता की दिशा में प्रेरित करता है उनके द्वारा दी गई शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। बाबा गुरु घासीदास जी के दिखाए मार्ग पर चलकर हम एक सशक्त, समरस और समानता पर आधारित समाज का निर्माण कर सकते हैं, और हमारे प्रदेश इस दिशा में हर संभव प्रयास कर रही है। इस अवसर पर ग्राम पटेल दिनेश साहू, हरिकिशन कुर्रे, नूतन साहू सरपंच, राजमहंत पं मानसिंग आनंद, दौवाराम साहू, कुमारधार आनंद, राजकुमार आनंद, मनोहर लहरिया,भारत आनंद, बुधारू जांगड़े, राजा आनंद, चीनू आनंद, पलित जांगड़े, राजेंद्र जांगड़े, नंदकुमार, सतू, सेऊक, किशुन,असकरण, जितेंद्र, धनराज, जगमोहन, नकुल, कृष्णा, रामा,पन्नालाल, प्रमुख रूप से ज्ञान के गंगा पंथी पार्टी सहित ग्राम वासी उपस्थित रहे।

इंतेकाल

जनाब सैय्यद ज्याउल हुसैनी पत्रकार साहब का इंतेकाल आज मंगलवार को मेकाहारा हॉस्पिटल रायपुर में हो गया है, जो कि अपने पीछे पत्नी अफ्रोज बेटी अनीसा, मुनीज़ा हुसैनी, बेटा सैय्यद सलमान हुसैनी बहु, पोता छोड गये। जिनकी मय्यत कल बाद नमाज़ जोहर उनके सालेहवारपारा मकान से कब्रिस्तान जायेगी।

महासमुंद जिले के खिलाड़ियों का नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप जयपुर के लिए चयन

महासमुंद जिले के 07 खिलाड़ी नेशनल आर्चरी चैंपियनशिप में होंगे शामिल

नेशनल आर्चरी चैंपियनशिप जयपुर में शामिल होंगे तीरंदाजी खिलाड़ी

शंकर लहरे/ महासमुंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश तीरंदाजी संघ द्वारा सब जूनियर राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन 22 दिसंबर को खेल एवं युवा कल्याण विभाग रायपुर में आयोजित किया गया। जिसमें महासमुंद जिले के खिलाड़ियों की भागीदारी रही हैं। महासमुंद जिले के 07 खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अपना स्थान बनाया। जिसमें ग्राम पंचायत बिहाझर से जया साहू, सत्यभामा, पदमा साहू, ग्राम पंचायत डोकर पाली से तोरण यादव, ग्राम मौलीमुड़ा ग्राम पंचायत कसहीबहरा से चांदनी साहू, बाल आश्रम बिहाझर से संजय सोनवानी एवं नगर पालिका परिषद बागबाहरा से नवलीन कौर शामिल हैं। जो 41वीं एनटीपीसी सब जूनियर (रिकर्व, कंपाउंड, इंडियन राउंड) नेशनल बालक एवं बालिका आर्चरी चैंपियनशिप जयपुर राजस्थान में 3 जनवरी से 10 जनवरी 2025 तक छत्तीसगढ़ प्रदेश की टीम से शामिल होंगे। जिला अध्यक्ष डॉ. विकास अग्रवाल ने बताया कि जिले के खिलाड़ी राज्य अकादमी बिलासपुर, रायपुर, साईं रायपुर के साथ जिले में खेलों इंडिया सेंटर एवं बाल आश्रम बिहाझर में तीरंदाजी खेल का नियमित अभ्यास कर रहे हैं। जिससे खिलाड़ियों को बेहतर खेल प्रदर्शन करने का अवसर मिल रहा हैं। महासमुंद जिले के 05 बेटियों, और 02 बेटों का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता में होने पर बागबाहरा महासमुंद में हर्ष की लहर हैं। महासमुंद जिले को तीरंदाजी खेल में मिल रही लगातार उपलब्धियां जो हमारे खिलाड़ियों के कड़े परिश्रम, कोच की मेहनत और जिला खेल अधिकारी मनोज धृतलहरे के विशेष सहयोग का परिणाम है। राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में चयनित होने एवं जया साहू, पदमा साहू, संजय सोनवानी के राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पदक जीतने पर जिला कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण मनोज धृतलहरे, जिला तीरंदाजी संघ अध्यक्ष डॉ. विकास अग्रवाल, सचिव एवन कुमार साहू, कोषाध्यक्ष अरविंद छाबड़ा, डॉ. पुनेंद्र चंद्राकर छात्रवास अधीक्षक बाल आश्रम बिहाझर, प्राचार्य एकलव्य आदर्श विद्यालय भोरिंग महेंद्र टंडन, व्यायाम शिक्षक गौरव शर्मा, नीलम साहू व खेल प्रशिक्षक बाल आश्रम बिहाझर पिरित साहू, संजय पटेल, सोमनाथ साहू, ऋषि कपूर साहू, हिरेंद्र देवांगन, डॉ. सुनील कुमार भोई, रिंकल बग्गा, रंजीत कौर, भोज राम साहू, नरेश, खेलों इंडिया सेंटर भोरिंग महासमुंद के सभी खिलाड़ी, बॉल आश्रम बिहाझर के सभी खिलाड़ी व समस्त स्टॉफ माता पिता इत्यादि ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

आज तहसील साहू संघ पाटन की कार्यकारिणी बैठक होगी

पाटन। तहसील साहू संघ पाटन की कार्यकारिणी बैठक आज दिनांक 01.01.2025 को दोपहर 12.00 बजे से साहू सदन पाटन में आयोजित की गई है। मीडिया प्रभारी किशन हिरवानी ने बताया कि बैठक में नववर्ष मिलन एवं स्व. ताराचंद साहू की जयंती स्वाभिमान दिवस के रूप में मनाया जाएगा। आगामी 12 जनवरी को आयोजित तहसील स्तरीय सुवा सम्मेलन की तैयारी पर चर्चा,तहसील स्तरीय कर्मा जयंती एवं सामुहिक आदर्श विवाह की तिथि तय करने पर चर्चा एवं अध्यक्ष के अनुमति से अन्य सामाजिक विषय पर चर्चा की जाएगी।

पुत्र के कनिष्ठ अभियंता के पद पर चयन के उपलक्ष्य में पेंड्रीतराई स्कूल में न्योता भोज

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन
नंदिनी अहिवारा। शासकीय प्राथमिक एवम् पूर्व माध्यमिक शाला पेंड्रीतराई,संकुल सेमरिया विकासखंड धमधा जिला दुर्ग में शशिकांत देशलहरे एवम् कुंती देशलहरे के सुपुत्र तामेश्वर देशलहरे का चयन कनिष्ठ अभियंता,विद्युत विभाग में होने के अवसर पर प्रधानमन्त्री सुपोषण शक्ति निर्माण योजनांतर्गत न्योता भोजन का आयोजन किया गया,खीर पुड़ी खिलाकर बच्चो को आंशिक रूप अतिरिक्त पोषक आहार दिया गया।यह एक महत्वपूर्ण योजना है जिसमे बच्चो को लाभान्वित किया जाता है,जिससे समुदाय के लोगो का

जुड़ाव शाला में होता है।इस अवसर पर प्रधान पाठक दीप्ति किरण तिर्की,सीएसी सूर्यकांत हरदेल, षड़ानंद देशलहरे,मिथलेश कुमार जायसवाल, चंद्रकांत,नीलम शशि कुजूर, संतोष कुमार पात्रे शिक्षक,मितानिन जमुना देवी देशलहरे,विधायक प्रतिनिधि उर्मिला डहरिया, कुंती देशलहरे एवम् अन्य ग्रामीण जनों की उपस्थिति रही।

महतारी वंदन योजना का अनुचित लाभ ले रही शिक्षिका पर दर्ज हुआ एफआई आर

कलेक्टर के निर्देश पर महिला एवं बाल विकास विभाग ने दर्ज कराई एफआई आर

महासमुन्द, (समय दर्शन)। कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देश पर महतारी वंदन योजना का अनुचित लाभ ले रही शिक्षिका श्रीमती नीलम गोस्वामी पर एफ आई आर दर्ज किया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने कल रात उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत घोड़ारी के सचिव रमाकांत गोस्वामी द्वारा अपनी पत्नी श्रीमती नीलम गोस्वामी जो की शिक्षक है के नाम पर महतारी वंदन योजना का फार्म गलत जानकारी देकर भरा गया एवं अनैतिक तरीके से उनकी पत्नि जो कि ग्राम केशवा में पदस्थ है के खाते में राशि प्राप्त किया गया है। किसी भी शासकीय सेवक को गलत जानकारी देकर अनुचित लाभ प्राप्त करना शासकीय नियमों के विपरीत है। कलेक्टर श्री लंगेह ने इसे गंभीरता से लेते हुए कहा कि शासन की यह महत्वपूर्ण योजना है, पात्र हितग्राहियों के अलावा जो भी इसका अनुचित तरीके से लाभ लेने का प्रयास करेंगे उन पर सख्त का रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जो पात्र हितग्राही है उसे ही लाभ मिलना सुनिश्चित हो, जो भी अनुचित तरीके से लाभ ले रहे है उन पर सख्त कारवाई की जाएगी ज्ञात है कि कल जिला पंचायत सी ई ओ द्वारा ग्राम पंचायत के सचिव श्री रमाकांत गोस्वामी के उक्त कृत्य के कारण निलंबित किया गया है।

छिर्राटलेवा में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का आयोजन

शंकर लहरे/ सरायपाली (समय दर्शन)। शाउमावि दुलारपाली की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन ग्राम छिर्राटलेवा में रखा गया है। शिवर का शुभारंभ उपसरपंच पवन सिदार द्वारा माँ भारती, माँ सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के तैल्यचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्याम कुमार भोई, शंखलाल जगत, बिलास पटेल, डॉ.गोपीनाथ साहू, अहिल्या नायक उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रेमानन्द भोई ने की। प्रथम दिवस बौद्धिक परिचर्चा के दौरान सहायक प्राध्यापक अंकित भोई ने डिजिटल साक्षरता से ज्ञान लाभ विषय पर अपनी बात रखते हुए सरल और रोचक उदाहरणों से स्वंयसेवकों ज्ञानवर्धक और उपयोगी जानकारी दी।सहायक प्राध्यापक श्रीमती सपना भोई ने घरेलू उदहरणों से सपना कैसे साकार करें विषय पर जानकारी दी। श्रीमती गायिका पटेल ने व्यायाम और उसके महत्व विषय पर व्याख्यान दिये। द्वितीय दिवस विशेषज्ञ के रूप में व्याख्याता स्वामी आत्मानन्द विद्यालय बसना के योगेश प्रधान, राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के लिए चयनित श्रीमती सुष्मिता प्रधान, नोटरी अधिवक्ता शशीकांत पटेल, व राकेश महापात्र उपस्थित थे। जिन्होंने बच्चों द्वारा पूछे गए सभी सवालों का जबाब देते हुए उनकी जिज्ञासा शांत किये। तृतीय दिवस देश के विकास पर हमारा योगरान विषय पर गिरधारी साहू तोरेसिंहा, जीवन में खेलों का महत्व-केशव सेठ, डिजिटल साक्षरता पर रोहिना प्राचार्य अजय जायसवाल, टूटीकोना प्राचार्य श्याम कुमार भोई ने जानकारी दी । शिविर में सभी स्वंय सेवक, एनएसएस प्रभारी कृष्ण कुमार नायक और श्रीमती अहिल्या नायक और बिलास पटेल के नेतृत्व में विशेष योगदान दे रहे हैं । प्रात:कालीन योग और व्यायाम सिखाने के लिए कन्हैयालाल पटेल, टेकलाल पटेल, शिबोदास, दुर्गाशंकर श्रीवास, अंगद असगर का योगदान प्राप्त हो रहा है।

बड़े पंधी में बेडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित

पदमपुर के निपुण एवं आबिद ने हासिल की प्रथम स्थान

शंकर लहरे/ सरायपाली (समय दर्शन)। ग्राम बड़ेपन्धी में प्रीमियर लीग बी पी पी एल युगल बैटमिंटन प्रतियोगिता प्रथम वर्ष का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। जिसमें बसना, सरायपाली, सांकरा, सागरपाली, बलौदा, पदमपुर, मुण्डपहार, पतेरापली एवं जोगनिपाली के ख्याति प्राप्त खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रथम पुरस्कार पदमपुर के निपुण और आबिद, द्वितीय बलौदा के नागार्जुन और विकास, तृतीय बबलू और हरीश और चतुर्थ स्थान समीर और खिरेंद्र ने प्राप्त किया। पहली बार गांव में हो रहे इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के शानदार खेल का दर्शको ने भरपूर आनंद उठाया।खिलाड़ियों ने भी अपनी आक्रमकता, तकनीकी दक्षता, शानदार शॉट से दर्शकों की खूब तालियाँ बटोरी।

प्रारंभ से अंत तक ज्यादातर मुकाबला रोमांचक रहे। सागरपाली और सरायपाली के मध्य खेला गया मैच सबसे ज्यादा रोमांचक रहा। निर्णायक के रूप में अंकित भोई ,भूपेन्द्र प्रधान, क्षितिपति साहू,रूपधर पटेल,जौसिक सामल उपस्थित थे।पूरे प्रतियोगिता की कॉमेंट्री प्रमित साहू और हरीश चौधरी ने की। प्रतियोगिता का आयोजन ग्रामवासियों के सहयोग से बैडमिंटन संघ बड़ेपन्धी ने की।प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार पदमपुर के निपुण को दिया गया।

स्थापना सहित सभी देनदारियों का भुगतान समय पर हो - कलेक्टर सुश्री चौधरी

सोमवार और शुक्रवार को मुख्यालय में ही रहे अधिकारी, कलेक्टर ने की समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में अधिकारियों की बैठक में समय-सीमा प्रकरणों की विभागवार समीक्षा के साथ विभागीय गतिविधियों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अधिकारी विभागीय स्थापना सहित सभी देनदारियों का भुगतान समय पर करना सुनिश्चित करें। देनदारियों जो आबंटन के अभाव में लंबित हो एवं अन्य लंबित देनदारियां के संबंध में जानकारियां उपलब्ध करायें। कलेक्टर ने उक्त जानकारियां 03 जनवरी 2025 तक कलेक्टर कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से बंद योजनाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि बंद योजनाओं की खाते में जमा राशि शासन को वापस होगी। उन्होंने अधिकारियों को खाते में जमा राशि शासन के पक्ष में जमा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने जिले में सड़क दुर्घनाओं के रोकथाम पर जोर देते हुए रोड सेफ्टी अंतर्गत दुर्घटनाएं रोकने अधिकारियों को कारगर पहल करने कहा। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने एमएसटीसी

अंतर्गत वाहन पंजीयन और वाहन नीलामी के ऑक्शन की गतिविधियों में प्रगति लाने जिला परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने सर्वविभाग प्रमुख अधिकारियों को सप्ताह के सोमवार एवं शुक्रवार को मुख्यालय में ही रहकर कार्यालयीन विभागीय कार्यों एवं आम जनता को भी समय देकर उनकी समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभागों में पद रिक्त होने की स्थिति में अनुकम्पा नियुक्ति पर जोर देते हुए रिक्त पद की जानकारी से आवेदक को अवगत कराने और इस पद के विरूद्ध आवेदक की स्वीकृति लेकर नियुक्ति सुनिश्चित करने कहा है। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने अधिकारियों को शासन के आदेश से अवगत कराते हुए बताया कि डीएमएफ से विभागों में उपलब्ध कराए गए मानव संसाधन को बंद किया जाना है। यदि डीएमएफ से विभाग द्वारा मानव संसाधन की सेवाएं ली जा रही हो तो तत्काल बंद कराना सुश्चित करे। कलेक्टर ने क्रेडा द्वारा संचालित पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के आवेदनों की समीक्षा की। उन्होंने सभी जनपद सीईओ को योजना में प्रगति लाने शासकीय सेवकों के निजी आवासों में सौर सिस्टम लगाने की पहल करने कहा। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने जिले में आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया धीमी होने पर असंतोष व्यक्त करते हुए नगरीय निकायों और जनपद सीईओ को निर्धारित लक्ष्य के मुबाातिक प्रक्रिया में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में धान का उठाव की जानकारी ली। साथ ही उपार्जन केंद्रों से धान उठाव हेतु काटे गए डीओ/टीओ के आधार पर मिलर्स से उठाव कराने डीएमओ को आवश्यक पहल करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने जिले में पंचायत एवं नगरीय निकाय से संबंधित चुनाव गतिविधियों की भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों/कर्मचारियों की डाटा एंट्री, विभागों के शासकीय वाहनों की जानकारी, मतदान केंद्र सत्यापन, रूटचार्ट, स्टाम रूम, नए मतदान केंद्रों में आवश्यक व्यवस्था, निर्वाचन नामावली प्रकाशन, मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण आदि समय पूर्व करा लेने उप जिला निर्वाचन अधिकारी को निर्देशित किया।

खबर-खास

सिमगा-धान खरीदी केन्द्र में गड़बड़ी एवं धांधली के विरुद्ध चक्का जाम करेंगे किसान

भाटापारा (समय दर्शन)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा धान खरीदी केन्द्र सिमगा जिला बलौदाबाजार में धान खरीदी की तौल में गड़बड़ी एवं लेनदेन की किसानों की शिकायत पर तौल में ब्यापक पैमाने पर गड़बड़ी सामने आई थी किन्तु राजनैतिक दबाव में कोई कार्रवाई नहीं किए जाने के कारण,क्षेत्र के किसानों के सांथ ही मेरे द्वारा 2,जनवरी 25,को चक्का जाम करने की चेतावनी जिलाधीश महोदय बलौदाबाजार, अनुविभागीय आधिकारी राजस्व महोदय सिमगा, को ज्ञापन के माध्यम से चेतावनी दी गई है ।किसानों की मांगों में प्रमुख मांगें इस प्रकार है, धान खरीदी केन्द्र सिमगा में मनोनीत अध्यक्ष एवं अधीनस्थ कर्मचारियों के द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के समक्ष किसानों के द्वारा 500,से 600,ग्राम अधिक धान तौलाई एवं अवैध वसूली की शिकायत की गई थी उसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई ।धान खरीदी केन्द्र में नियम विरुद्ध शाम 4,बजे के बाद रात 9,बजे तक धान खरीदी की जा रही है उसे बंद किया जाए चूंकि खरीदी केन्द्र में,रात में ब्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है ।किसानों को 31,00 रुपये की जगह 23,00,रुपये भुगतान करने के संबंध में शासन एवं प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किए जाने के कारण रायपुर बिलासपुर नेशनल हाइवे में किसानों के सांथ चक्का जाम करने हेतु बाध्य होना पड़ रहा है जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी ।

तनीषा नामदेव नेशनल गेम्स में

भाटापारा (समय दर्शन)। भाटापारा से तनीषा नामदेव का चयन पुन: एक बार ओपन नेशनल गेम्स में चयन हुआ है,यह गाजीपुर, बनारस में दिनांक 01 जनवरी से आयोजित हो रहा है.इसके पहले भी तनीषा नामदेव का चयन नेशनल गेम्स के लिए हो चुका है. इस उपलब्धि पर तनीषा नामदेव को नगर वासियों ने बधाई दी है, तनीषा नामदेव पंचम दीवान गर्ल्स स्कूल के प्रभारी प्राचार्य शैलेन्द्र नामदेव की भतीजी तथा संकुल समन्वयक राजेश नामदेव की पुत्री है,

गरियाबंद पुलिस अधीक्षक नक्सल प्रभावित ग्राम नारीपानी के लोगों से हुए रूबरू

गरियाबंद (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा नक्सली गश्त के दौरान अपने टीम के साथ नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति और सुरक्षा का माहौल बनाने के उद्देश्य से लगातार ग्रामीणों के बीच जाकर रूबरू हो रहे है ।31 दिसम्बर को मैनपुर क्षेत्र के ग्राम नारीपानी के बच्चों एवं ग्रामीणों से मिलकर हाल चाल जाने साथी स्कूली बच्चों को स्कूल बैग चप्पल महिलाओं को साड़ी,पुरुषों को गमछा,साल एवं अन्य सामग्री वितरण किए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हमारी कोशिश है कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षा का अहसास हो ।हमारी पुलिस लगातार इन क्षेत्रों में गश्त कर रही है और ग्रामीणों के साथ मिलकर काम कर रही है ।卐 ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक के दौरे का स्वागत करते हुए कहा कि पुलिस की वजह से हम अब सुरक्षित महसूस कर रहे हैं ।पुलिस हमारे बीच रहकर हमारी समस्याओं को सुनती है और उनका समाधान कर रही है ।इस दौरान थाना प्रभारी मैनपुर निरीक्षक शिव शंकर हुर्रा ई 30 प्रभारी सहायक उप निरीक्षक भानुप्रताप एवं अन्य पुलिस जवान उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय उभयलिंगी सुरक्षा सेल गठित

गरियाबंद (समय दर्शन)। उभयलिंगी व्यक्ति (अधिकारो का संरक्षण) नियम 2020 नियम 11(5) अंतर्गत उभयलिंगी व्यक्तियों के विरूद्ध अपराधों की निगरानी एवं समस्याओं के समाधान हेतु जिला स्तरीय उभयलिंगी सुरक्षा सेल का गठन किया गया है ।उभयलिंगी व्यक्ति के साथ अपराध एवं समस्याओं के समाधान हेतु समाज कल्याण उप संचालक डी.पी. ठाकुर (सदस्य/सचिव)से संपर्क कर अपनी समस्या की जानकारी दे सकते है ।जिसके उपरांत उनकी समस्या के समाधान के लिये जिला स्तरीय सुरक्षा सेल द्वारा सहयोग किया जायेगा ।अधिक जानकारी के लिये जिला कार्यालय समाज कल्याण विभाग संयुक्त जिला कार्यालय कक्ष कमांक 11 में संपर्क कर सकते है।

छ.ग. राज्य लघु वनोपज संघ रायपुर ने संग्राहकों को डंक रोधी किट बांटी

कवर्धा (समय दर्शन)। प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ रायपुर अनिल कुमार साहू (भा.व.से.) ने कवर्धा प्रवास के दौरान 30 दिसंबर 24 को सहकारी वनोपज समिति पंडरिया के शहद संग्राहकों को डंक रोधी किट का वितरण किया।

वनमंडलाधिकारी कवर्धा शशि कुमार के अनुसार वन परिक्षेत्र पंडरिया पश्चिम अंतर्गत सहकारी लघु वनोपज समिति के संग्राहकों ने मधुमक्खी के छत्ते को बिना नुकसान पहुंचाएं शहद निकाल कर डेमो दिखाया। विभाग के इस पहल से, संग्राहकों को डंक से सुरक्षा के साथ साथ विनाश विहीन विदोहन पद्धति से शहद संग्रहण मात्रा में वृद्धि होगी। बैगा जनजाति के शहद संग्राहकों को आर्थिक रूप से मदद मिलेगी। शहद संग्राहकों ने बताया कि उन्हें साल भर में शहद संग्रहण से पच्चीस से तीस हजार रुपए का अतिरिक्त लाभ हो जाता है।

प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ रायपुर एवं वनमंडल अधिकारी, कवर्धा शशि कुमार की उपस्थिति में अट्ठारह संग्राहकों को डंक रोधी पोशाक, सुगम सीढ़ी, टार्च, बाल्टी, रस्सा, पानी स्पेयर, चाकू, एवं अन्य सुरक्षा के सभी सामग्री प्रदाय किया गया। विभाग द्वारा अपने संग्राहकों के सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उक्त सामग्री प्रदाय किये गया है। यह कार्य विभाग द्वारा विनाश विहीन विदोहन पद्धति से किया गया है। डंक रोधी पोशाक पहन कर संग्राहकों द्वारा मधुमक्खी को बिना नुकसान पहुंचाए शहद का संग्रहण कर सकेंगे।

इस अवसर पर प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ श्री साहू एवं वनमंडलाधिकारी कवर्धा शशि कुमार के साथ आशीष आर्य उप वनमंडलाधिकारी कवर्धा सुयशधर दीवान, उप वनमंडलाधिकारी, पंडरिया, मनीष सिंह परिक्षेत्र अधिकारी, तरेगांव, श्रीमती पल्लवी गंगबेर, परिक्षेत्र अधिकारी, पंडरिया पश्चिम, क्षेत्रीय अधिकारी, कर्मचारी, लघु वनोपज समिति के प्रबंधक, सदस्य एवं संग्राहकगण उपस्थित रहे।

शहद प्रसंस्करण के संग्राहकों ने 84 लाख रुपए का शहद बेचा- इस वर्ष 2024-25 में शहद प्रसंस्करण का लक्ष्य 300 क्विंटल रखा गया है। उक्त लक्ष्य के विरूद्ध वर्तमान में 76 संग्राहकों के माध्यम से 115.65 क्विंटल शहद संग्रहित कर 180.00 क्विंटल प्रसंस्करण किया जा चुका है, जिसमें से 129.332 क्विंटल शहद कुल राशि 8438380.00 रुपए विक्रय किया गया है।

सउनि को पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त होने पर पुलिस परिवार के द्वारा ससम्मान विदाई दी गई

गरियाबंद। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभाकक्ष में सोमवार को अति0 पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र चंद्राकर एवं एस.डी.ओ.पी.गरियाबंद निशा सिन्हा की उपस्थिति में गरियाबंद जिले मे पदस्थ रहे सहायक उपनिरीक्षक पिताम्बर प्रधान जी को पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त होने पर गरियाबंद पुलिस की ओर से साल,श्रीफल भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए ससम्मान विदाई एवं शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम में सउनि0 पिताम्बर प्रधान के पुरे परिवार के साथ स्टेनो शिवेन्द्र राजपूत,मुख्य लिपिक रंजीत सिंह एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

गन्ना आपूर्ति करने वाले ट्रेक्टर ट्रालियों में रेडियम पट्टी एवं लाल झंडा लगाया

कवर्धा (समय दर्शन)। भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित कवर्धा में गन्ना परिवहन करने वाले ट्रेक्टर ट्रालियों में कारखाना प्रबंधन के अधिकारियों तथा पुलिस चौकी पोड़ी प्रभारी द्वारा सुरक्षा की दृष्टिकोण से रेडियम पट्टी एवं लाल झण्डा लगाया गया। रेडियम पट्टी लगाते समय वाहन मालिकों को कारखाना में गन्ना परिवहन के दौरान यातायात नियमों का हवाला देते हुए सावधानी से सड़क नियमों का पालन करने और वाहन चलाने का निर्देश दिया गया। विदित हो कि भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित कवर्धा में प्रतिदिन लगभग

300 से 400 टेक्टर ट्रालियों में पेराई हेतु गन्ने की आपूर्ति की जाती है। कारखाना प्रबंधन एवं पुलिस चौकी प्रभारी के अनुसार ट्रालियों में रेडियम पट्टी एवं लाल झण्डा लगाने की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

हाईमास्ट और स्ट्रीट लाइट से अब जगमगाएगा नगर पंचायत इंदौरी

प्रकाश व्यवस्था, सीसी रोड एवं चौक निर्माण के लिए मिली पौने दो करोड़ से अधिक की स्वीकृति।

कवर्धा (समय दर्शन)। विधानसभा पंडरिया के नगर पंचायत इंदौरी में अधोसंरचना विकास के लिए नगरीय प्रशासन द्वारा 1 करोड़ 78 लाख 70 हजार रुपए के विभिन्न कार्यों की स्वीकृति मिली है। पंडरिया विधायक भावना बोहरा के लगातार प्रयासों से क्षेत्रवासियों को मूलभूत सुविधाओं से लेकर सौन्दर्यीकरण, सड़क निर्माण, पुल-पुलिया व चौक-चौराहों के निर्माण जैसे विकास कार्यों की सौगात क्षेत्रवासियों को मिल रही है। आज नगर पंचायत इंदौरी में भी सीसी रोड, चौक निर्माण एवं हाई मास्ट व स्ट्रीट लाइट जैसे विकास कार्यों के लिए करोड़ों की सौगात मिली है वहीं नगर पंचायत पांडातराई हेतु 34 लाख 4 हजार एवं नगर पालिका परिषद् पंडरिया हेतु 49 लाख 37 हजार रुपए की लागत से अधोसंरचना विकास हेतु स्वीकृति मिली है।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से विकास कार्यों और अधोसंरचना निर्माण के कार्य हेतु लगातार स्वीकृति मिलने से क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। इन विकास कार्यों से जहाँ जनता को लाभ मिल रहा है तो वहीं अधोसंरचना विकास के कार्यों से जनता की सुरक्षा,सुविधा एवं मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति भी हो रही है। आज नगर पंचायत इंदौरी में भी नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के तहत 1 करोड़ 78 लाख 70 हजार रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसके तहत सीसी रोड निर्माण, चौक-चौराहों का निर्माण सहित क्षेत्र के प्रमुख स्थानों व सड़को में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था हेतु हाई मास्ट व स्ट्रीट लाईट लगाने का कार्य किया जाएगा। हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास, सौन्दर्यीकरण और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार हेतु प्रतिबद्धता के साथ एवं पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ भाजपा सरकार द्वारा विकास कार्यों की सौगात जनता को मिल रही है, जिसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उप मुख्यमंत्री अरुण साव का आभार व्यक्त करती हूँ।

विधायक भावना ने बताया कि नगर पंचायत इंदौरी के साथ ही नगर पंचायत पांडातराई में भी अधोसंरचना विकास के कार्य तेजी से छाल रहें हैं। नगर पंचायत पांडातराई हेतु अधोसंरचना मद के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए स्वीकृत 1 करोड़ 50 लाख रुपए की राशि में पूर्व में 1 करोड़ 11 लाख 9 हजार रुपए की लागत से होने वाले कार्यों की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है और आज सोलर हाई मास्ट लाईट, शेड निर्माण व अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु कुल 6 कार्यों के लिए 34 लाख 4 हजार रुपए की राशि की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी तरह नगर पालिका परिषद् पंडरिया हेतु अधोसंरचना मद के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए स्वीकृत 3 करोड़ रुपए की अनुदान राशि में से 2 करोड़ 35 लाख 63 हजार रुपए की स्वीकृति पूर्व में प्रदान की जा चुकी थी और आज अहाता निर्माण, प्रकाश व्यवस्था, सांस्कृतिक मंच जैसे 6 विकास कार्यों के लिए 49 लाख 37 हजार रुपए की स्वीकृति भी प्रदान की गई है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से एक वर्ष में ही पंडरिया विधानसभा एवं पूरे प्रदेश ने अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की है। पंडरिया विधानसभा में भी अबतक सड़क निर्माण, अधोसंरचना विकास, सौन्दर्यीकरण, सड़क निर्माण जैसे मूलभूत सुविधाओं के विस्तार हेतु करोड़ों की सौगात जनता को मिल रही है। जिस विश्वास के साथ जनता ने भाजपा को प्रदेश की जिम्मेदारी दी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में भाजपा उसे पूरा करने के लिए कटिबद्ध है। जनता के जनादेश का सम्मान करते हुए हमारी सरकार जनहित के विषयों, योजनाओं का सफल क्रियान्वयन एवं हमारे ग्रामीण क्षेत्रों सहित शहरी क्षेत्रों में भी विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए निरंतर कार्य कर रही है और आगे भी यह कार्य निरन्तर जारी रहेगा।

विभाग प्रमुखों एवं तकनीकी स्टाफको ग्रिवेंस पोर्टल के बारे में दी गई जानकारी

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल की उपस्थिति में आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिले के सभी विभाग प्रमुख एवं तकनीकी स्टॉफ को सभी ग्रिवेंस पोर्टल (शिकायत निवारण) के बारे में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि आजकल अधिकांश कार्य ऑनलाईन माध्यम से किया जा रहा है ।साथ ही जनसामान्य मांग,समस्या एवं शिकायत सहित अन्य आवेदन भी ऑनलाईन तरीके से कर रहे है ।उनके मांग,समस्या एवं शिकायतों के निवारण के लिए विभिन्न पोर्टल बनाएं गए है ।जिसके माध्यम से लोगो के समस्याओं को समयबद्ध एवं नियमानुसार कार्यवाही करते हुए निराकरण करेंगे ।संबंधित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों को इन पोर्टल के बारे में भी जानकारी दी गई ।इस दौरान एनआईसी के उप निदेशक नेहरू निराला ने अधिकारी कर्मचारियो को सभी प्रकार के

शिकायत निवारण पोर्टल के बारे विस्तारपूर्वक तकनीकी मार्गदर्शन एवं जानकारी देते पीजीपोर्टल, सीपीग्राम,जनदर्शन,जनशिकायत,लोक संवाद,ऑनलाईन टीएल मॉनिटरिंग,ई-ऑफिस सहित अन्य पोर्टल,वेब साइट तथा पत्रों निराकरण वस्तुस्थिति के बारे में जानकारी दी गई ।इस दौरान अपर कलेक्टर प्रकाश राजपूत,नवीन भगत,संयुक्त कलेक्टर राकेश गोलछा, जिला शिक्षा अधिकारी एके सारस्वत सहित अधिकारी कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री अग्रवाल की पहल से सैय्यद अरफाक अली को मिली अनुकंपा नियुक्ति

परिवार के भरण पोषण का मिला सहारा

गरियाबंद (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुसार जिले में अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का त्वरित निराकरण हो रहा है ।इससे दिवंगत शासकीय सेवकों के परिजनों को शासकीय नौकरी का लाभ मिल रहा है ।कलेक्टर दीपक अग्रवाल की तत्परता एवं संवेदनशीलता से जिले में अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों के निराकरण के लिए तेजी से कार्यवाही की जा रही है ।कलेक्टर श्री अग्रवाल ने आज सैय्यद अरफाक अली को अनुकंपा नियुक्ति का आदेश सौंपा ।उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति पत्र सौंपकर श्री अली को निष्ठा एवं लगन से शासकीय सेवा करने की बधाई एवं शुभकामनाएं दी ।ग्राम दादरगांव जिला गरियाबंद निवासी अली को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रसेला में भृत्य पद पर नियुक्ति दी गई है। शासन की पहल और प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के द्वारा अनुकंपा

नियुक्ति मिलने से अली एवं उनके परिजनों ने खुशी जताते हुए राज्य शासन एवं जिला प्रशासन का आभार जताया ।अनुकंपा नियुक्ति मिलने के बाद सैय्यद अरफाक अली ने कहा कि राज्य शासन की नीति के तहत त्वरित पहल से नौकरी मिल गई है ।जिससे आर्थिक समस्याओं को दूर करने एवं परिवार के पालन पोषण में सहायक होगा ।अनुकंपा नियुक्ति पाने वाले अभ्यर्थी ने बताया कि अनुकंपा नियुक्ति मिलने से परिवार के भरण पोषण के लिए चिंतित परिजनों की समस्या दूर हो गई है। साथ ही परिवार के विकास का सहारा मिल गया है। उल्लेखनीय है कि शासन के प्रावधानों के तहत कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों को तेजी से निराकृत करने के निर्देश जिलाधिकारियों दिये हैं। साथ ही प्रति सप्ताह समीक्षा बैठक में लंबित प्रकरणों को समीक्षा भी कर रहे है। इसी के तहत अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों को तेजी से निराकृत किया जा रहा है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जोन क्र. 06, रायपुर (छ.ग.)
-: निविदा आमंत्रण सूचना :-

क्रमांक 69/न.पा.नि जोन क्रमांक 06/2024-25 रायपुर दिनांक 27/12/2024

नगर पालिक निगम, रायपुर जोन क्रमांक 06 द्वारा निम्न कार्य हेतु 26 जनवरी एवं 15 अगस्त राष्ट्रीय पर्व पर कार्य करने का अनुभव रखने वाले पंजीकृत फर्म/एजेंसी से दो लिफाफा पद्धति के अनुसार (लिफाफा 'अ' में निविदा से संबंधित आवश्यक दस्तावेज एवं 'ब' में निविदा प्रपत्र) सील बंद निविदा पृथक-पृथक आमंत्रित की जाती है। इन कार्यों का निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु दिनांक 06/01/2025 तक निर्धारित राशि सहित आवेदन कार्यालयीन अवधि में जमा किया जा कर निविदा प्रपत्र प्राप्त किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र एवं निविदा हेतु आवश्यक दस्तावेज दिनाँक 13/01/2025 तक पंजीकृत डॉक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से सायं 5:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त होना अनिवार्य है। प्राप्त समस्त निविदाये दिनाँक 14/01/2025 को 11:00 बजे के बाद उपस्थित निविदाकारों अथवा उनको अधिकृत प्रतिनिधियो के समक्ष खोली जावेगी। निविदा आमंत्रित कार्य विवरण निम्नानुसार है-

क्र.	कार्य का विवरण	निविदा का प्रकार	अगणित राशि जी.एस.टी. सहित	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	एस.ओ. आर.	समया अवधि
1	26 जनवरी 2025 गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस परेड ग्राउण्ड में साऊण्ड सिस्टम व्यवस्था का कार्य।	द्वितीय	116840.00	2500.00	300.00	AS PER NON SOR	7 दिन (दिनांक 20.01.2025 अपराह्न के पहले)

-:: निविदा से संबंधित अन्य जानकारी व शर्तें :-

→ कार्य के निविदा हेतु संलग्न की जाने वाली आवश्यक दस्तावेज निम्नानुसार है:-

लिफाफा 'अ' में:- (1) आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय अमानती राशि का एफ.डी.आर (निविदा खोलने के दिनांक तक वैद्य होना चाहिए) मूलप्रति।
(2) जी.एस.टी. पंजीयन की प्रति,

लिफाफा 'ब' में:- (1) निविदा प्रपत्र

निविदा की शर्तें:-

(1) 26 जनवरी एवं 15 अगस्त राष्ट्रीय पर्व पर कार्य करने का अनुभव रखने वाले फर्म/एजेंसी ही निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के अधिकारी होंगे। आवेदन के साथ तत्संबंधी पत्र भी संलग्न होना चाहिए।
(2) निविदा दर जी.एस.टी. राशि सहित देना होगा।
(3) उक्त लिफाफे रजिस्टर्ड डॉक / स्पीड पोस्ट से स्वीकार की जावेगी।
(4) निविदा प्रपत्र प्राप्त करने तिथि में अवकाश होने पर आगामी तिथि को प्राप्त की जा सकती है एवं निविदा जमा करने एवं खोलने के तिथि में अवकाश हो जाने पर आगामी कार्यालयीन दिवस में कार्य संपादित की जावेगी।
(5) फर्म/एजेंसी के द्वारा अंतिम भुगतान से पूर्व जी.एस.टी.विभाग से बकाया न होने संबंधी प्रमाण पत्र (**Tax Clearance Certificate**) अथवा पूर्ण देय कर जमा किए जाने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना होगा।
(6) आवश्यकतानुसार अन्य आयोजनों हेतु न्यूनतम स्वीकृत दर पर कार्य कराया जा सकता है। अतः अनुमानित लागत में वृद्धि संभावित है।

जोन कमिश्नर जोन
क्रमांक 06
नगर पालिक निगम,
रायपुर

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

संक्षिप्त-खबर

पूर्व माध्यमिक शाला ठाकुरदिया कला मे बच्चों ने वाल मैगजीन बच्चों की दुनिया का किया प्रकाशन

पिथौरा (समय दर्शन)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला ठाकुरदिया कला के स्कूली बच्चों ने वाल मैगजीन बच्चों की दुनिया का प्रकाशन किया गया। शाला में अध्ययनरत 6 से 8 वीं तक के स्कूली बच्चों ने 31 दिसंबर 2924 को पाक्षिक हिंदी दीवार पत्रिका वाल मैगजीन बच्चों की दुनिया का शिक्षकों के मार्गदर्शन में एवं उत्साह पूर्ण माहौल में प्रकाशन किया। इस नवाचारी पहल का यह अंक 11 एवं 9 वें वर्ष है। बच्चों की इस सराहनीय पहल की प्रधान पाठक छबिराम पटेल,शिक्षक मोहित राम पटेल, मुकेश कुमार सिन्हा, प्राथमिक शाला की प्रधान पाठक श्रीमती कुसुम लता कुर्रे, शिक्षक विजय कुमार अनंत,किरण ठाकुर,ज्योति शुक्ला, रोहिणी सिन्हा तथा शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष पुरुषोत्तम ठाकुर, उपाध्यक्ष तिलक राम दीवान,वरिष्ठ सदस्य काशीराम दीवान ,श्रीमती पालकी दीवान, रूखमणी दीवान, मनोज दीवान,देवनाथ दीवान, भानूरान ठाकुर,मेलाराम ठाकुर आदि ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दिए ।

दिव्यांग ,करंट और बिस्तर दिलों को झकझोर देगी ये दर्द भरी दास्तां

ओमप्रकाश बघेल/ (देवभोग समय दर्शन)। देवभोग के घुमरगुड़ा में एक दिव्यांग हालातों से जंग लड़ते-लड़ते आज उस दहलीज पर खड़ा है जांहा

का रास्ता ना तो अंदर की ओर जाता है और ना ही बहार . वो अपनी जीवन संगिनी के साथ हर उस मुश्किल दौर से लड़ा जब अक्सर लोग लड़ना ही छोड़ देते हैं. लेकिन कुदरत का किस्सा अजीब है. किसी की झोली में बेशुमार खुशियां हैं तो कोई एक अदद सुकून को भी तरसता है. ऐसा ही कुछ देवभोग ब्लाक के घुमरगुड़ा पंचायत के दिव्यांग ओमप्रकाश के साथ बीत रहा है।यूं तो मुश्किलों का दौर उसके लिए कभी कम न था. वो खुद छोटा मोटा काम कर परिवार का पेट पालता था। तो वहीं हमेशा दिलो-दिमाग में दो बच्चो की चिंता लिए घूमता. उसकी दो बच्चे वैष्णवी (10)गोलू(6) फिलहाल काभी छोटे हैं . प्रशासनिक दरियादिली और लोगों की मदद करने की खबरें सामने आती रही पर अब दिव्यांग दर्द,बेबसी और अकेलेपन के प्रकाश हीन अंधकार के चादर मे बिछी बिस्तर पर लेट चूका है।जन्मजात दिव्यांग ओमप्रकाश प्रधान को 7 माह पहले समाज कल्याण विभाग से मिले मोटराइज ट्राय सायकल को चार्ज कर रहा था,चार्जिंग बॉक्स को उठाते ही जोरदार करंट लगा, करंट के झटके ने जमीन पर ऐसा पटका की दिव्यांग के बांये जांघ की हड्डी क्रेक हो गई अब तो कमर भी उठना बंद हो चुका है।दो मासूम बच्चों के साथ पत्नी और मां रहते है परिवार गरीब है,मिले इंदिरा आवास में एक साथ रहते हैं।महिला सदस्य की मजदूरी ही इनके आय का स्रोत है।पीड़िता की पत्नी मिथुला ने कहा की मैं अकेली महिला उठा नही सकती,लाने ले जाने के लिए कोई मदद भी नहीं मिलाता।इलाज में खर्च के लिए फूटी कौड़ी नही है,ना ही जरूरी दस्तावेज है, ऐसे में रात दिन दर्द से कराह रहे पति को घरेलू उपचार के जरिए ही राहत देने की कोशिश हो रही है।दिव्यांग का कहना है प्रसाशन से उचित सहयोग व ईलाज मिले ताकि पुन: जीवन सामान्य हो सके

कमला कालेज में प्रायोगिक परीक्षा 2 जनवरी से

राजनांदगांव। शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालयए राजनांदगांव के बीएससी गृहविज्ञान (डीएससी/जीई) प्रथम सेमेस्टर (एनईपी) एवं बीए गृहविज्ञान (डीएससी) प्रथम सेमेस्टर की नियमित एवं प्राईवेट छात्राओं को सूचित किया जाता है कि सेमेस्टर गृह विज्ञान प्रायोगिक परीक्षा दिनांक 2 जनवरी 2025 से प्रारंभ है। अत: बीएससी (गृहविज्ञान) एवं बीए (गृहविज्ञान) विषय (डीएससी/जीई) से संबंधित छात्राएं गृह विज्ञान विभाग में संबंधित विषय के सहायक प्राध्यापकों से प्रायोगिक फाईल एवं आवश्यक सामग्री अनिवार्य रूप से जांच करवा लें। सेमेस्टर प्रायोगिक परीक्षा में आवश्यक प्रायोगिक फाईल व सामग्री के साथ समय से आधे घंटे पूर्व गृहविज्ञान विभाग में उपस्थित होंवे। उक्त दिनांक एवं समय पर उपसिथित न होने पर छात्राओं की स्वयं की जिम्मेदारी होंगी।

श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर सांकरा की प्राण प्रतिष्ठा हेतु कुंभकार समाज की बैठक

बसना (समय दर्शन)। श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर सांकरा की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में कुंभकार महासंघ फुलझर अंचल की एक आवश्यक बैठक सामुदायिक भवन सांकरा में संपन्न हुई। बैठक में समाज के महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई और मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों को लेकर रूपरेखा तैयार की गई। बैठक की अध्यक्षता महासंघ के अध्यक्ष नरेंद्र राणा ने की। उपाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण पांडे और जलंधर राणा, महासचिव धर्मेंद्रनाथ राणा, कार्यकारिणी सदस्य फूलसाय राणा, तथा विभिन्न क्षेत्रों के सभापति एवं पदाधिकारी

बैठक में उपस्थित रहे। इनमें श्रवण कुमार राणा (सभापति सांकरा), हारालाल राणा (सभापति कनकेवा), पुरुषोत्तम पांडे (सभापति गढ़फुलझर), हृदयानंद राणा (सभापति राफेल), राजेंद्र राणा (सभापति पिरदा) और अन्य पदाधिकारियों ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। मंदिर समिति के संचालक क्षिरसागर राणा ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह की रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि युवा समिति के अध्यक्ष हिरतलाल राणा ने युवाओं से इस धार्मिक आयोजन में सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया। बैठक में समाज के कोषाध्यक्ष कुमरमणी राणा, सचिव राफेल केदार राणा और संजय राणा सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे। इस दौरान प्राण प्रतिष्ठा के लिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर कार्य करने और एक भव्य आयोजन सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। मंदिर निर्माण कार्य को समाज के लिए एकता और समर्पण का प्रतीक मानते हुए सभी ने सहयोग का संकल्प लिया। बैठक में उत्साह और सामाजिक समर्पण का वातावरण देखने को मिला। सभी उपस्थितों ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अपने- अपने स्तर पर योगदान देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

RTO के नियमों की अनदेखी, धड़ल्ले से दौड़ रहे ओवरलोड ट्रक, सुरपा के पास सड़क पर गिरी धान से भरी बोरी, कभी भी घट सकती है दुर्घटना

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के पाटन क्षेत्र में इन दिनों आरटीओ नियमों की खूब धज्जियां उड़ाई जा रही है। नियमों को ताक में रखकर धान का परिवहन किया जा रहा है। ओवरलोड ट्रकों से दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है। लेकिन जिम्मेदारों की इस ओर निगाहें नहीं जा रही हैं। अलाम यह है कि भीड़ वाले इलाके में भी ओवरलोड ट्रक चल रहे है। पिछले दिनों सुरपा के पास मुख्य मार्ग पर कई बोरे गिर गए।

पाटन क्षेत्र सड़कों में ऐसे ओवर लोडेड ट्रक दिखना आम बात हो है। समर्थन मूल्य में खरीदे गए धान को ट्रकों में भर कर संग्रहण केंद्र सेलूद भेजा जा रहा है। परिवहन के दौरान आरटीओ नियमों की खुलकर अनदेखी की जा रही है।

किसानों के गाड़ी की जांच- जानकारी के मुताबिक किसान गाड़ी लगाकर धान को बेचने के लिए समिति तक ले जाते है। इन गाड़ियों में अगर थोड़ा सा भी ओवर लोड दिखे तो तत्काल रोक कर जांच किया जाता है। लेकिन दिन रात धड़ल्ले से धान का परिवहन में लगे ट्रकों में ओवर लोड परिवहन किया जा रहा है इस पर किसी का नजर नहीं है। जिससे कि अब किसानों में भी रोष देखा जा सकता है।

दुर्घटना हुई तो कौन होगा जिम्मेदार - पाटन क्षेत्र के सभी सेवा सहकारी समिति में खरीदे गए धान को ट्रकों के माध्यम से भरकर धान संग्रहण केंद्र सेलूद ले जाया जा रहा है। लेकिन इन ट्रैकों में धान को ट्रैक की क्षमता से अधिक लोड किया जा रहा है। ट्रक सड़कों पर चलते है तो लगता है कि कभी भी धान की बोरी गिर जाएगी। ओवर लोड ट्रकों के कारण दुर्घटना हुई तो इसका जिम्मेदार कौन होगा।

जंगलों की सुरक्षा के लिए लगाए गये फेंसिंग पोल कुछ ही दिन मे गिर रहे

पिथौरा (समय दर्शन)। पिथौरा वन परिक्षेत्र के बुंदेली उप वन क्षेत्र के कक्ष क्रमांक 220 एवं 221 में फेंसिंग पोल यानी बाउण्ड्री लगाने वाले खंभे के साथ लगाई गई कंटीली तार अभी से गिरने लगी है। जिससे शासन को लाखों की क्षति का अनुमान लगाया जा रहा है।

पिथौरा वन परिक्षेत्र के बुंदेली क्षेत्र में शासन द्वारा जंगलों की सुरक्षा के लिए फेंसिंग करवाया जा रहा है। इस कार्य के लिए उपयोग में लाये जाने वाले सीमेंट के पोल अत्यंत निम्न स्तर के होने के कारण कुछ ही दिन मे लगते लगते ही टूट रहे हैं। इसी तरह इन पोल को जमीन में लगाने के लिए सीमेंट का मसाला डाला जाता है। परन्तु प्रत्यक्ष देखने पर पता चला कि सीमेंट पोल को जमीन में गड़ाए बगैर ही उसे खड़ा कर उसके सभी ओर थोड़ा-थोड़ा सीमेंट मसाला दिखाने के लिए लगाया गया है। चूंकि कार्य की गुणवत्ता निम्नस्तरीय है, लिहाजा अभी से पोल टूटने लगे हैं और कुछ पोल गिर रहे हैं। जिससे इस कार्य की गुणवत्ता प्रभावित हुआ है।

माना जा रहा है कि अधिकतम 6 माह में उक्त फेसिंग पूरी तरह उखड़ कर जंगल पूर्ववत हो जाएगा।

जांच की जा रही है- रेंजर

इस सम्बन्ध में स्थानीय रेंजर प्रत्यूष तांडी ने बताया कि, शिकायत उनके पास आई है। जिसकी जांच की जा रही है।

ईश्वर को सिर्फ भक्ति से ही प्राप्त किया जा सकता है

तर्रा में भागवत कथा आयोजन का चौथा दिवस

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम तर्रा में सोनी परिवार द्वारा श्रीमद भागवत कथा का आयोजन। किया जा रहा है। कथा के चौथे दिन कथा वाचक प्रांशु कृष्ण शास्त्री श्री धाम वृंदावन वाले ने प्रहलाद चरित्र को कथा सुनाई। उन्होंने प्रहलाद चरित्र में भक्ति की प्रधानता ईश्वर सिद्धि के रूप में बताते हुए कहा कि राजा हिरणाकश्यप खुद को भगवान समझता था। प्रजा को भी वह उन्हें भगवान मानने के लिए दबाव डालता था।

लेकिन हिरणाकश्यप का पुत्र प्रहलाद विष्णु को ही भगवान मानता था। प्रहलाद के इस भक्ति भाव से हिरणाकश्यप नाराज था। एक दिन हिरणाकश्यप ने प्रहलाद से पूछा कि तुम्हारा भगवान विष्णु कहां रहता है। प्रहलाद ने एक खंभे की ओर इशारा करके कहा कि मेरा भगवान हर जगह है। आक्रोश में आकर हिरणाकश्यप ने उस खंभे को तोड़ने का प्रयास किया। इसके बाद खंभे से भगवान श्री विष्णु नरसिंह अवतार

में प्रकट हुए और उन्होंने हिरणाकश्यप का वध किया।

ईश्वर तो कण-कण में हैं। लेकिन वह दिखाई नहीं देते हैं। उद्धारण के तौर पर पानी में नमक घोलते हैं तो दिखाई नहीं देता है। लेकिन चखने पर प्रतीत होता है। उसी प्रकार परमात्मा कण-कण में व्याप्त हैं। परमात्मा को तो केवल भक्ति से ही प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने नवरात्रि के समय में कन्याओं के पूजन व कन्याओं की रक्षा करने का संदेश देते हुए कहा कि सनातन धर्म में कन्याओं की पूजा की जाती है। इसलिए कन्याओं की रक्षा करने के साथ उन्हें शिक्षित करें जिससे समाज और देश प्रगति पर चले। कथा के दौरान श्रद्धालुओं को धार्मिक भजनों पर नृत्य करते व जयकारे लगाते हुए भी देखा गया। कथा का वाचन करते हुए पंडित जी ने कहा कि, भागवत कथा सुनना और भगवान को अपने मन में बसाने से व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन आता है। भगवान हमेशा आपने भक्त को पाना चाहता है। जितना भक्त भगवान के बिना अधूरा है उतना ही अधूरा भगवान भी भक्त के बिना है। भगवान ज्ञानी को नही अपितु भक्त को दर्शन देते हैं। और सच्चे मन से ही भगवान प्राप्त होता है। भगवान विष्णु की भक्ति में लीन रहते थे। उनके पिता हिरण्यकश्यप भगवान विष्णु को अपना शत्रु मानते थे। पुत्र को भगवान विष्णु की भक्ति करते देख उन्होंने उसे ही जान से मारने की ठान ली। प्रभु पर सच्ची निष्ठा और आस्था की वजह से हिरण्यकश्यप प्रह्लाद का कुछ भी अनिष्ट नहीं कर पाए। वामन अवतार के रूप में भगवान विष्णु ने राजा बलि को यह शिक्षा दी कि दंभ तथा अंहकार से जीवन में कुछ भी हासिल नहीं होता और यह भी बताया कि यह धनसंपदा क्षणभंगुर होती है। इसलिए इस जीवन में परोपकार करों। उन्होंने कहा कि अहंकार, गर्व, घृणा और ईर्ष्या से मुक्त होने पर ही मनुष्य को ईश्वर की कृपा प्राप्त होती है। यदि हम संसार में पूरी तरह मोहग्रस्त और लिप्त रहते हुए सांसारिक जीवन जीते है तो हमारी सारी भक्ति एक दिखावा ही रह जाएगी। कथा के दौरान वामन अवतार की झांकी दिखाई गई और तेरे द्वार खड़ा भगवान भगत भर दे रे झोली पर श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। कथा सुनने के लिए बड़ी संख्या में महिला-पुरूष पहुंचे।इस अवसर पर सुशीला सोनी, अनिल सोनी, मनीष सोनी, रज्जू सोनी, रानी सोनी, राहुल सोनी सहित अन्य मौजूद थे।

तोरण के सक्रिय साहित्य प्रचारक हरीश पटेल सम्मानित हुए

बेमेतरा (समय दर्शन)। 28 दिसंबर शनिवार को सिंघानिया सरोवर पार्टिको तेलीबांधा रायपुर में एशियन न्यूज और न्यूज 21 के तत्त्वाधान में 'साहित्य विचार एवम् सम्मान 2024' का आयोजन किया गया था। जिसमें साहित्य की अलग अलग कैटगिरी में प्रदेश के साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। जिसमें जिला बेमेतरा के ग्राम तोरण के निवासी साहित्यकार हरीश पटेल हर को सक्रिय साहित्य प्रचारक सम्मान 2024 से धरसिंवा विधायक अनुज शर्मा और रायपुर पश्चिम विधायक मोतीलाल साहू के हाथों सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में प्रदेश के नामचीन साहित्यकार उपस्थित हुए।हरीश पटेल हर को इस सम्मान के लिए परिवार के साथ साथ ,कमल शर्मा,ईश्वर साहू आरुग,सुनील शर्मा नील,जलेश्वर दास मानिक पुरी,ईश्वर बंधी,मोहन कबीर पंथी,पंकज शर्मा,निधि साहू इत्यादि साहित्यकारों ने बधाईयां दी।

छग कुंभ दर्शन द्वारा पंचमी स्नान की जोरदार तैयारी, भाटापारा की भी दिख रही बड़ी संख्या मे भागीदारी

बसंत पंचमी स्नान को लेकर दिख रहा जबर्दस्त उत्साह

भाटापारा (समय दर्शन)। उमंग उत्साह के प्रतीक ऋतुओं के राजा बसंत ऋतु की विशेष महत्ता है,प्रकृति जहां एक ओर नवीन रुप धारण करती हुई नजर आती है वहीं जीवन मे भी नवीनता और उर्जा संचार का प्रतिनिधित्व का परिचायक भी बंसत ऋतु ही होता है, लिहाजा धर्म अध्यात्म सहित जीवन के सभी आयामों मे इसे विराट स्वरुप प्राप्त है,इसलिए यह ऋतु महज मौसम के बदलाव का प्रतीक न होकर जीवन के विभिन्न पहलुओं के विशेष निर्धारण का भी बिम्ब है,आस्था एवं विश्वास की भावना से परिपूर्ण यह अवधि स्वयं अपने आप मे भव्य उत्सव का प्रतिबिंब है, आस्था के महाउत्सव महाकुंभ मे जनमानस के बीच इस बेला जबर्दस्त उत्साह की अभिव्यक्त स्पष्ट रुप से परिलक्षित होती हुई जान पड़ रही है।

सात शाही स्नानों की दिव्य छटा : पौष पूर्णिमा 13जनवरी से प्रारंभ हो रहे महा कुंभ

मे सात शाही स्नानों की दिव्य छटा परिलक्षित होगी,जिसमें साधु संतो दिव्य अखाड़ों के पुण्य स्नान दर्शनीय होंगे, प्रथम स्नान पौष पूर्णिमा 13जनवरी से प्रारंभ हो रहे महाकुंभ का द्वितीय स्नान 14जनवरी मकर संक्राति स्नान के रुप मे संपन्न होगा, 29जनवरी मौनी अमावस्या के रुप मे तृतीय शाही स्नान की दिव्य छटा नजर आयेगी, 3फरवरी बसंत पंचमी स्नान की उत्साह मय छटा बिखरेगी, अचला नवमी के रुप मे पंचम स्नान,तथा 12फरवरी को माघी पूर्णिमा का दिव्य शाही स्नान संपन्न होगा,वहीं महाशिवरात्रि महापर्व 26फरवरी को सप्तम शाही स्नान के साथ ही महाकुंभ पूर्णता को प्राप्त होगी।

बसंत पंचमी स्नान को लेकर जबर्दस्त उत्साह : 13जनवरी पौष पूर्णिमा शाही स्नान के साथ प्रारंभ हो रहे महाकुंभ मे भागीदारी के लिए चंहुओर जबर्दस्त उत्साह का वातावरण नजर आ रहा है,बताया जा रहा है कि इस महाकुंभ की विशेष महत्ता है तथा जानकारों संत विद्वानों का कहना है कि 144वर्ष बाद दुर्लभ मुहुर्त की पुनरावृति हो रही है तथा पुन: 144वर्ष बाद फिर से अत्यंत शुभ एवं पुण्यदायी मुहुर्त की पुनरावृति होगी,लिहाजा इस कुंभ को लेकर जनमानस के बीच अतिरिक्त एवं जबर्दस्त उत्साह नजर आ रहा है,वैसे तो सभी शाही स्नानों के दर्शन एवं भागीदारी को लेकर जनमानस के बीच जोरदार उत्साह नजर आ रहा है,लेकिन बसंत पंचमी स्नान भागीदारी को लेकर जनमानस के बीच अतिरिक्त जोरदार उत्साह की अभिव्यक्ति हो रही है,जिसके तहत बसंत पंचमी के अवसर पर आस्था का विराट जन सैलाब उमड़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

भाटापारा मे जबर्दस्त उत्साह की फिजा : कुंभ दर्शन एवं पुण्य स्नान को लेकर राज्य मे भी जबर्दस्त उत्साह के दर्शन हो रहें है तथा विभिन्न माध्यमों से महाकुंभ मे भागीदारी के लिए लोगों की तैयारी स्पष्ट रुप से परिलक्षित हो रही है,इसी कड़ी मे छत्तीसगढ कुंभ दर्शन दल भी कुंभ दर्शन एवं स्नान मे भागीदारी के लिए उत्साह के साथ जुटा हुआ नजर आ रहा है,तथा अत्यंत महत्वपूर्ण स्नान बसंत पंचमी स्नान मे भागीदारी के लिए दुर्ग धमतरी रायपुर बिलासपुर सहित विभिन्न जगहों के अलावा भाटापारा से बड़ी संख्या मे भागीदारी के दर्शन हो रहें है,तथा कुंभ यात्रा को लेकर जबर्दस्त उमंग एवं उत्साह के दर्शन हो रहें है,धार्मिक आयोजनों की धरा भाटापारा कुंभ दर्शन स्नान को लेकर आस्था से लबरेज एवं उत्साह से परिपूर्ण नजर आ रहा है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2022-24